

बदायूं

कैलाश आई एवं जनरल हास्पिटल

सभी टी.पी.ए. आयुष्मान कार्ड, लाल कार्ड, पं. दीनदयाल उपाध्याय योजना द्वारा नाखूना, मोतियाबिन्द ऑपरेशन, पित्त की थैली की पथरी, अपैन्डिसाइटिस, हार्निया, हाइड्रोसिल, पेट के समस्त ऑपरेशन की सुविधा

फ्री भर्ती मरीजों की बायोप्सी एवं खून की जाँच फ्री की जाती है।

ओ.पी.डी. ब्लड प्रेशर, शुगर की जाँच, आँख की धुलाई, कम्प्यूटर द्वारा चर्म की जाँच प्रतिदिन फ्री की जाती है।

नाश्ता, रहना, दवाईयां, चश्मा, लेन्स फ्री अखबार की कटिंग लाने व ऑपरेशन कराने पर रु. 500/- तक का गिफ्ट

किप्स सुपर मार्केट के सामने, 60 एम. आई.जी. जनकपुरी पार्क के पास, बरेली

सम्पर्क करें: सजीव कुमार पांडेय चैयरमैन 9837892555 9412192305

कृत्तिका ग्रुप ऑफ कॉलेज

मान्यता एवं सम्बद्धता (आयुर्वेद) : भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग (NCISM) नई दिल्ली एवं एम.जी.जी.यू.ए. गोरखपुर उ.प्र. मान्यता एवं सम्बद्धता (फार्मसी) : फार्मसी काउंसिल ऑफ इण्डिया नई दिल्ली डा. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम टैक्निकल यूनिवर्सिटी लखनऊ। बोर्ड ऑफ टैक्निकल एजुकेशन, लखनऊ। मान्यता एवं सम्बद्धता (नर्सिंग) उ.प्र. स्टेट मेडिकल फैकल्टी लखनऊ एवं अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल विश्वविद्यालय, लखनऊ।

ADMISSION OPEN

Table with 4 columns of admission details: AYURVED B.A.M.S., PHARMACY B. Pharma, PHARMACY D. Pharma, PARA MEDICAL Dip Lab. Technician, PHARMACY D. Pharma, PARA MEDICAL Dip Lab. Technician, NURSING B.Sc. Nursing, NURSING A.N.M.

सुविधायें ♦ आयुर्वेदिक अस्पताल ♦ ओषधियों युक्त हर्बल गार्डन ♦ शैक्षिक भवन एवं लाइब्रेरी ♦ पूर्ण सुसज्जित लैब ♦ वाई-फाई कैम्पस ♦ बस सुविधा ट्रेनिंग के लिए 100 बेड का पूर्ण व्यवस्थित स्वयं का आधुनिक कोपल अस्पताल ♦ छात्र- छात्राओं के लिए अलग-अलग छात्रावास ♦ छात्रवृत्ति एवं शिक्षा ऋण (लोन) की सुविधा ♦ शव विच्छेदन की सुविधा (Cadaver)

कैम्पस : खाई खेड़ा, निकट काण्डू का पुल, पीलीभीत रोड, रिठौरा, बरेली (उ.प्र.) फ़ोन : 243122 सम्पर्क सूत्र 8171489611, 7248343676 9027510784, 8218234755 सिटी आफिस : खाई खेड़ा, कोपल हॉस्पिटल, सुरेश शर्मा नगर, पीलीभीत रोड, बरेली (उ.प्र.) फ़ोन-243006 सम्पर्क सूत्र 9758519405, 9457697581

कोपल अस्पताल AN ISO-9001-2008 CERTIFIED HOSPITAL

डा. के.पी. गंगवार एम.एस. (आर्थो) हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ 12.30 pm to 5.30 pm

डा. स्मृति गंगवार एम.बी.बी.एस., डी.जी.ओ. प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ 12.00 pm to 3.00 pm, 6.30 pm to 7.30 pm

डा. मनोज गुप्ता एम.एस. (जनरल सर्जन) लैप्रोस्कोपिक सर्जन 12.00 pm to 2.00 pm

डा. एस.के जौहरी एम.डी. गहन चिकित्सा रोग विशेषज्ञ 3.30 pm to 5.00 pm, 6.00 pm to 9.00 pm

डा. आकाश गुप्ता एम.डी. नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए निःशुल्क ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध पीलीभीत बाईपास रोड, सुरेश शर्मा नगर, बरेली Ph.: 0581-2525711, 2525038 HELPLINE No. 9758519405



ओम शान्ति हॉस्पिटल



डॉ. पुलकित अग्रवाल M.B.B.S., D.L.O., D.N.B. (ENT)

(नाक, कान, गला, थायरॉइड व कैंसर रोग विशेषज्ञ)

रिसर्च इंस्टीट्यूट से नवीनतम टेक्नोलॉजी की विशेष ट्रेनिंग प्राप्त दूरबीन विधि द्वारा नाक, कान, गले के सभी ऑपरेशन में माहिर

- कान का बहना, कम सुनाई देना • चक्कर आना • सिर में दर्द • नाक, कान, गले में चुभन या दर्द होना • नाक बंद होना, सायनस की समस्या, नाक से खून आना, अत्यधिक छींक आना • सोते समय खरटे आना • आवाज का बैठ जाना • मुंह न खुलना • चेहरे पे दाग या दाने होना, आंखें व चेहरे का भारीपन होना • खाना निगलने में दिक्कत, मुँह में छले • गले में गाँठें नाक, कान व गले के ऑपरेशन जैसे:- • कान के पर्दे में छेद • नाक में टेढ़ी या बढ़ी हुई हड्डी • गले में टॉसिल • मुँह में कैंसर • गले में घेंघा या अन्य किसी तरह की गाँठ • लार ग्रंथि में पथरी से आई सूजन • नाक अथवा जबड़े की टूटी हड्डी • गले में मांस के कारण बढी आवाज • आँख में नासूर का बिना चौरों के ऑपरेशन

दूरबीन द्वारा आधुनिक विधि से कान के पर्दे का चीरा व टाँका रहित ऑपरेशन

मुंह से आंठों तक की दूरबीन विधि की आधुनिक जाँच (ENDOSCOPY CENTRE)

दिल्ली के डॉक्टरों द्वारा एलर्जी का जड़ से इलाज (Immunotherapy)

डॉ. प्रियांशी अग्रवाल BDS, FDIP, MIDA

(दन्त रोग विशेषज्ञ व इम्प्लान्टोलॉजिस्ट) उपलब्ध सुविधायें

- दाँतों का डिजिटल X-Ray • दाँतों की नस का इलाज (RCT) • अत्याधुनिक मशीनों द्वारा दाँतों की सफाई (Ultrasonic Scaling) • दाँतों के कलर की फिलिंग व चाँदी भरना • फिक्स दाँत (Bridges) • बल्टीसी बनाना (Complete Denture) • बिना दर्द के दाँत निकालना • लेजर द्वारा दाँत के कलर का मसाला भरना (Composite Filing) • हड्डी में फिक्स दाँत लगाना (Dental Implant) • टेढ़े-मंढ़े दाँतों का इलाज (Orthodontic Treatment) • बच्चों के दाँतों की सभी बीमारियों का इलाज विभाग :- • नाक, कान, गला रोग • दन्त रोग • हड्डी व जोड़ रोग • चर्म रोग • जनरल फिजीशियन

24 घण्टे भर्ती एवं ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध

ओम शान्ति हॉस्पिटल निकट बरेली कॉलेज मेन गेट, काली बाड़ी, बरेली 7500692860

बिना ब्याज लोन का झांसा दे 10 हजार टगे

कार्यालय संवाददाता, बदायूं • फेसबुक पर आए विज्ञापन पर दिए नंबर पर फोन करने पर हुई ठगी अमृत विचार : कस्बा उझानी के मोहल्ला गद्दी टोला निवासी उवैस गाजी पुत्र नईम गाजी ने बताया कि उन्होंने फेसबुक पर बिना ब्याज के एक लाख रुपये लोन का विज्ञापन देखा और दिए गए मोबाइल नंबर पर फोन किया। उधर वाले व्यक्ति ने कहा कि वह महाराष्ट्र

के औरंगाबाद स्थित इस्लामिक बैंक से बोल रहा है। उसने सौ रुपये का स्टांप पेपर, फाइल चार्ज के 1750 रुपये, टैक्स के 3249 रुपये और जीएसटी के 5493 रुपये बताए। उसी नंबर पर फोन पे के माध्यम से रुपये स्थानांतरित करने को कहा। उवैस उसके झांसे में आ गए और 10 हजार रुपये स्थानांतरित कर दिए। उस व्यक्ति ने कहा कि जल्द ही लोन मिल जाएगा लेकिन अगले दिन उसने उवैस गाजी से फिर से 1 हजार रुपये की मांग की। उवैस को शक हुआ। सखी से बात की तो मोबाइल नंबर बंद हो गया। पीड़ित ने पुलिस के अलावा साइबर थाने में तहरीर दी है।

विकास चक्रक पैथलैब विश्वसनीय परिणाम FullBody BLOOD TEST PACKAGE जाँचों पर विशेष फुल CBG+KFT+LFT+TFT+LIPID+SUGAR 1499/- ONLY 799/- चांद बाजार रोड, 39-बी, एकता नगर, बरेली मो. 9410200042, 9410200047 समय प्रात: 8 से रात 9 बजे तक घर से सैम्पल लेने की सुविधा उपलब्ध E-mail: pathlab.charak@gmail.com

AALA HAZRAT POLY CLINIC & CHILD CENTRE डॉ. अरशद अली एम.बी.बी.एस., डी.सी.एच. नवजात शिशु एवं बच्चा रोग विशेषज्ञ डॉ. शाहिदा बी. खान एम.बी.बी.एस., डी.सी.पी. कन्सल्टेंट पैथोलॉजिस्ट सब पैथोलॉजी संपूर्ण कम्प्यूटराईज्ड लैब सनौपुर चौगाह, सैतलाइट बस अड्डे से 1 किमी., पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली। हल्प लाइन- 8266051117

डॉ. दर्शन मेहरा एम.बी.बी.एस., एम.डी. (मेडिसिन) Cardiopulmonologist, Diabetologist & Intensivist आयुष्मान एवं TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध डायबिटीज, थायरॉइड, डेंगू, मलेरिया, टी.बी., पेट रोग, गठिया, फेफड़ों के रोग, तेज बुखार, एलर्जी, जटिल रोगों का उचित इलाज

दर्पिन हॉस्पिटल संजय नगर रोड, पीलीभीत बाईपास, बरेली हैल्प लाइन - 8979252222, 9457663289

डॉ. रजनीकांत साहू MBBS, MS, MCh. (SGPGI, Lucknow) Ex-Consultant-MAX Hospital, Delhi वरिष्ठ न्यूरो सर्जन मो. 74171389433 बरेली न्यूरो एण्ड स्पाइन सेन्टर पता:- सी 427 डिवाइन हॉस्पिटल के सामने, के.के. हॉस्पिटल रोड, राजेन्द्रनगर, बरेली मिलने का समय प्रात: 10 से 12, सायं 6 से 8 7017678157

डॉ. हरिस अंसारी एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी) Consultant Urologist & Andrologist गुदा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन • प्रोस्टेट (गद्दू का आपरेशन) (TURP) • गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) • गुर्दे की नली (यूरटस) की पथरी का ऑपरेशन (URS) • पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज आयुष्मान योजना अन्तर्गत स्वास्थ्य लाभ मुफ्त

डॉ. एम. खान हॉस्पिटल मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्ट्रेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाइन 9897838286, 9837549348

डॉ. आफताब आलम एम.बी.बी.एस., डी.ओ.एम.एस. (ए.एम.यू.) रोहिलखंड रत्न व अजीवर अवाडि से सम्मानित मोतियाबिन्द के ऑपरेशन की शुरूआत मात्र 2000/- रु. से मिलने का समय-प्रातः 10 से 3 बजे तक, शाम : 6 से 8 बजे तक डॉ. आफताब आई केयर मो. 9758934778

डॉ. गयस अहमद MBBS, DCH, DNB (Paediatric) NEW DELHI नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ भू.पू. चिकित्सक सर गंगाराम अस्पताल, नई दिल्ली

NEW BORN AND CHILD CARE CLINIC 1. मुंशी नगर गेट, डेलापीर मण्डी, पीलीभीत रोड, बरेली समय - प्रातः 9 बजे से 12 बजे तक, शाम 4 बजे से 8 बजे तक डॉ. प्रेम गंगवार B.H.M.S. (Homeo Cafe Gwalior) वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक मो. 8859517808

डॉ. प्रेम गंगवार B.H.M.S. (Homeo Cafe Gwalior) वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक मो. 8859517808 सैक्स रोग, शीघ्रपतन, नामर्दी, त्वचा, गुर्दे, कैंसर, जोड़, नस, थायरॉइड व महिलाओं का बाइपास होम्योपैथिक से जुड़ी समस्या व दवाईयों आधुनिक जर्मन दवाईयों द्वारा कुशल के लिये निःशुल्क सम्पर्क करें। डॉक्टर के मार्गदर्शन में इलाज 10 वर्षों का अनुभव प्रेम जर्मन होम्योपैथिक रुहेलखण्ड यूनिवर्सिटी के सामने, पीलीभीत बाईपास, एच.के. टावर, बरेली

हरियाणा में हुए सड़क हादसे में बदायूं के युवक की मौत वकीलगंज थाना वजीरगंज क्षेत्र के गांव नबावपुर पिपरिया निवासी भूरे शाव्य (32) पुत्र प्रमोद शाव्य अपनी पत्नी और बच्चों के साथ हरियाणा के जिला सिरसा क्षेत्र के कस्बा डालवाली में रहकर एक कंपनी में काम करते थे। बीते रविवार को भूरे शाव्य बाजार से राशन लेकर वापस लौट रहे थे। उनके परिजनों के अनुसार तेज रफ्तार से आए किसी वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। पुलिस ने उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया था। जहां इलाज के दौरान शुक्रवार को भूरे शाव्य की मौत हो गई।

घर के बाहर बंधी मैस चुरा ले गए चोर बिल्सी। थाना क्षेत्र के गांव रमनगला से शान्तिार की रात पशु चोरों ने घर के बाहर बंधी गई मैस खोल ले गए। घटना की जानकारी पशुपालकों ने थाना पुलिस को दी है। गांव निवासी पप्पु पुत्र मुंशी शुक्रवार की रात को अपनी मैस घर के बाहर बांध कर सो गया। रात के करीब साढ़े तीन बजे उसकी आंख खुली तो देखा चोर उसकी मैस को एक पिकअप गाड़ी से लाद चुके थे। उसने गाड़ी का पीछा करने का प्रयास भी किया। मगर वह फिलफ रहा। पीड़ित पशुपालक ने बताया कि उसकी मैस की कीमत करीब 60 हजार रुपये से अधिक होगी।

पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष के बेटे से ठगी की कोशिश बदायूं। साइबर टाग तरह-तरह के प्रलोभन देकर लोगों को टग रहे हैं। साइबर टाग ने नगर पंचायत कुवरावा की पूर्व अध्यक्ष शांति देवी के बेटे रामऔतार से ठगी की कोशिश की। किसी व्यक्ति ने खुद को पुलिस का अधिकारी बताकर पांच लाख रुपये की मांग की। रामऔतार को फोन कर कहा कि उनका बेटा बरेली में पढ़ता है। वह एक लड़की से दुकर्म के आरोप में पकड़ा गया है। इसी दौरान रामऔतार ने अपने परिजनों को इशारा किया। परिजनों ने बेटे को फोन किया। उसने बताया कि ऐसा कुछ नहीं है। इसके बाद रामऔतार ने फोन काट दिया।

बिल्सी नगर में साफ-साफाई कराने के लिए निर्देश बदायूं। मलेरिया निरीक्षक तनवीर सिंह एवं जीशान अंसारी ने नगर पालिका बिल्सी में कर्मचारियों के साथ बैठक की। तनवीर सिंह ने कहा कि नालियों की साफ सफाई की जाए। गंदगी के कारण ही मच्छरों का प्रजनन बढ़ता है। संक्रामक बीमारियां पनपती हैं। जल्दबाई के स्थानों पर लार्वा नाशक दवा का छिड़काव करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने ने नाली नालों में लार्वा को देखा।

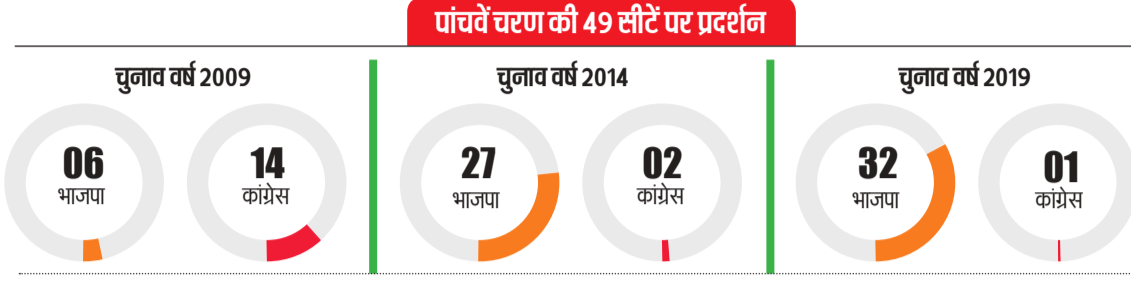
बहुमत का रथ या संघर्ष का अग्निपथ

पांचवें चरण में मतदान के साथ ही 428 लोकसभा सीटों का चुनाव तय कर देगा दोनों गठबंधनों का भविष्य

मनोज त्रिपाठी

पांचवें चरण में आठ राज्यों की 49 सीटों पर मतदान के बाद 428 लोकसभा सीटों पर चुनाव खत्म हो जाएगा और मतगणना का काउंट डाउन शुरू हो जाएगा। इसी के साथ बड़ा सवाल है कि क्या भाजपा इस चरण में 300 का आंकड़ा छू लेगी या 2019 की 303 सीटों से आगे निकल जाएगी। कुछ ऐसा ही यक्ष प्रश्न इंडिया गठबंधन के सामने भी है कि क्या वह अपनी जीत की संभावना 200 सीटों तक पहुंचाने में सफल हो पाया है। गृह मंत्री अमित शाह और तमाम भाजपा नेता चौथे चरण के बाद पार्टी को बहुमत मिलने का दावा कर रहे हैं, तो इंडिया गठबंधन की ओर से भाजपा के 200 से 220 सीटों पर सिमटने की भविष्यवाणी की जा रही है। अब कौन सही और कौन गलत है, इसका पता तो चार जून को मतों की गणना में ही चलेगा। फिलहाल पांचवें चरण की 49 सीटों में पिछली बार के नतीजों के आइने में पलड़ा भाजपा का ही भारी नजर आ रहा है।

सोमवार को पांचवें चरण में जिन 49 लोकसभा सीटों पर मतदान होना है, उनमें एक दर्जन सीटें ऐसी किसी न किसी पार्टी का गढ़ हैं। इन 12 सीटों पर एक ही दल पिछले तीन चुनावों से जीत हासिल करता चला आ रहा है। इन 12 में से पांच सीटों पर भाजपा 2009, 2014 और 2019 में कमल खिलाने के बाद इस बार जीत का चौका लगाने को तैयार है। पांचवें चरण को इन 49 सीटों में 2009 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने छह और कांग्रेस ने 14 सीटें जीती थीं। लेकिन 2014 में कांग्रेस सिर्फ दो सीटें जीत सकी और 2019 में महज एक सीट पर ही सिमट गई थी। इसके मुकाबले 2014 में भाजपा ने 27 और 2019 में 32 सीटें जीत ली थीं।



बड़ा सवाल भाजपा 300 का आंकड़ा छू लेगी या 2019 में मिली 303 सीटों से आगे निकलेगी इंडिया गठबंधन क्या जीत का आंकड़ा 200 सीटों तक पहुंचाने में सफल हो पाया



12 सीटों पर एक ही दल ने जीते हैं लगातार पिछले तीन चुनाव

05 सीटों पर भाजपा इस बार जीत का चौका लगाने को तैयार

25 सीटों पर इस बार भी भाजपा सबसे मजबूत दावेदार

इस बार पांचवें चरण की 49 में 25 सीटों पर भाजपा को मजबूत दावेदार माना जा रहा है। इसकी वजह यह है कि पिछले तीन में से दो लोकसभा चुनाव में पार्टी ने इन 25 सीटों पर कमल खिलाला है। इस आंकड़े के हिसाब से कांग्रेस सिर्फ दो सीटों पर ही मजबूत है।

2019 में पांचवें चरण में यह था दलीय प्रदर्शन

- भाजपा 32
- शिवसेना 07
- टीएमसी 04
- कांग्रेस 01
- जेडीयू 01
- एलजेपी 01
- बीजद 01
- नेशनल कॉन्फेंस 01
- अन्य 01

चार सीटों पर हुआ था नजदीकी मुकाबला

पांचवें चरण में सिर्फ चार सीटें ऐसी हैं, जिन पर 2019 के चुनाव में जीत का अंतर बहुत कम था। इनमें उत्तर प्रदेश की कोशांबी, ओडिशा की बोलनगीर, पश्चिम बंगाल की बैरकपुर और आरामबाग सीटें शामिल हैं। इनमें तीन सीटें भाजपा ने जीती थीं, जबकि आरामबाग में टीएमसी विजयी रही थी।

सात राज्यों में कांग्रेस का खाता तक नहीं खुला था

पांचवें चरण के जिन आठ राज्यों में चुनाव है, उनमें सात राज्यों में कांग्रेस को 2019 में से एक भी सीट नहीं मिली थी। कांग्रेस केवल उत्तर प्रदेश में रायबरेली की सीट ही जीत सकी थी जबकि अमेठी सीट पर उसे हार मिली थी।

महाराष्ट्र में आखिरी 13 सीटों पर जीत की चाबी तो उत्तर भारतीयों के पास

दिग्विजय सिंह

महाराष्ट्र में पांचवें चरण में 13 लोकसभा सीटों धुले, डिंडोरी, नासिक, कल्याण, पालघर, भिवंडी, ठाणे, मुंबई उत्तर, मुंबई उत्तर पूर्व, मुंबई दक्षिण मध्य, मुंबई दक्षिण, मुंबई उत्तर पश्चिम और मुंबई उत्तर मध्य सीट पर वोट पड़ने के साथ ही सभी 48 सीटों पर मतदान प्रक्रिया समाप्त हो जाएगी। इन 13 सीटों में 10 सीटें ऐसी हैं, जहां उत्तर भारतीय मतदाता 25 से 35 प्रतिशत तक हैं। 2019 के चुनाव में इन 13 सीटों में भाजपा ने छह और शिवसेना ने सात सीटें जीती थी।

लेकिन तब शिवसेना और भाजपा साथ-साथ थी। अब शिवसेना दो फाड़ हो गई है, तो शहर पवार की

- भाजपा और राज ठाकरे के साथ से एक वर्ग में नाराजगी
- 2019 में शिवसेना ने सात और भाजपा ने जीती थी छह सीटें

अगुवाई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी भी दो हिस्सों में बंट चुकी है। राज्य में बदले हुए राजनीतिक समीकरणों के बीच कांग्रेस को टक्कर मानी जा रही है। भाजपा ने बढ़त लेने के लिए पूरी ताकत झोंक रखी है। भाजपा शासित राज्यों के पांच मुख्यमंत्री डेरा डाले हैं। उत्तर भारतीय मतदाताओं के बीच खास मेहनत की जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राज्य में 20-22 सप्ताह कर चुके हैं। विगत दिवस मुंबई में रोड शो करने के बाद अगले दिन विशाल रैली की

है। भाजपा अगर महाराष्ट्र में ज्यादा से ज्यादा सीटें जीतना चाहती है, तो नतीजों से असली और नकली शिवसेना की लड़ाई का भी फैसला होना है। ऐसे में करीब 10 सीटों पर उत्तर भारतीय, मुस्लिम और दलित मतदाता महत्वपूर्ण हो गए हैं। आम तौर पर उत्तर भारतीय मतदाताओं का समर्थन भाजपा को ज्यादा मिलता रहा है, लेकिन भाजपा द्वारा राज ठाकरे का साथ लेने का संदेश उत्तर भारतीयों के बीच अच्छा नहीं गया है। कांग्रेस और उसके साथ महा विकास अघाड़ी में शामिल राकोंपा शरद पवार तथा शिवसेना उद्धव ठाकरे इसी नाराजगी को भुनाने की कोशिश करते नजर आ रहे हैं। उन्हें मुस्लिम मत मिलने का भी भरोसा है।

पीयूष गोयल की पहले चुनाव में हो रही है अग्नि परीक्षा



मुंबई उत्तर सीट से केन्द्रीय मंत्री भाजपा प्रत्याशी पीयूष गोयल का मुकाबला अभिनेता-राजनेता भूपण पाटिल से है। 2019 में

भाजपा के गोपाल सी. शेट्टी ने इस सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी पूर्व अभिनेत्री उर्मिला माताडकर को 4.65 लाख वोटों से हरा दिया था। पीयूष गोयल तीन बार राज्यसभा के सदस्य रह चुके हैं। पहली बार लोकसभा का चुनाव लड़ रहे हैं।

डिंडोरी में केंद्रीय मंत्री भारती पवार को छूट रहा पसीना



डिंडोरी में भाजपा तीन बार से जीत रही है। यहां इस बार सांसद और केंद्रीय मंत्री भारती प्रवीण पवार का

मुकाबला राकोंपा भास्कर भगरे से हो रहा है। भारतीय 2014 में राकोंपा से चुनाव लड़कर हार गई थीं। 2019 में भाजपा से जीती थीं। लोकसभा क्षेत्र की छह में से चार विधानसभा सीटें राकोंपा के पास हैं।

नवीन पटनायक किला बचाने में लगे, कांग्रेस तीसरे नंबर पर पिछड़ती आ रही नजर

ओडिशा में बीजद पर बढ़त बनाती दिख रही भाजपा

20

मई को विधान सभा चुनाव के दूसरे चरण में 35 सीटों पर मतदान होगा

नीचे नवीन ऊपर मोदी को वोट देने की मुहिम

राज्य में 20 मई को विधान सभा चुनाव के दूसरे चरण में 35 सीटों पर मतदान होगा। 147 सीटों वाली विधानसभा के लिए पहले चरण में 13 मई को 28 सीटों पर वोटिंग हो चुकी है। पिछले चुनावों में देखा गया है कि जो पार्टी विधानसभा चुनाव में जीतती है, उसे ही लोकसभा में ज्यादा सीटें मिलती हैं। इसी कारण भाजपा राज्य में सरकार बनाने का प्रचार करके जी तोड़ कोशिश कर रही है कि मोदी की लोकप्रियता की बदलत लोकसभा की कम से कम 15-16 सीटें जीत सके। लेकिन एक मुहिम राज्य में नवीन पटनायक को केंद्र में नरेंद्र मोदी को वोट देने की भी चल रही है। बीजद विधायक इसका ज्यादा विरोध भी नहीं कर रहे हैं, शायद उन्हें लग रहा है कि इस टैंड से उनकी हार का खतरा दूर हो जाएगा। ऐसा होता है तो यह एक तरह की टैक्टिकल वोटिंग होगी, क्योंकि अभी तक विधानसभा और लोकसभा चुनाव साथ होने पर मतदाताओं का रुझान ज्यादातर एक पार्टी की ही तरफ देखने में आता रहा है।



से चार सीटें भाजपा ने जीती थीं। बीजद एक ही सीट जीत पाया था। ओडिशा में लोकसभा चुनाव में 2009 में बीजद को 37 फीसदी वोट शेरार के साथ 14 सीटें मिली थीं। कांग्रेस 33 प्रतिशत वोट शेरार

के साथ छह सीट ही जीत पाई थी। भाजपा शून्य पर सिमट गई थी। 2014 में बीजद ने 44 प्रतिशत वोट के साथ 20 सीटें जीत ली थीं। भाजपा ने 22 प्रतिशत वोट पाकर राज्य में अपना खाता खोला था। 2019 में 43 फीसदी वोट के साथ बीजद को 12 जबकि भाजपा को 38 प्रतिशत वोट के साथ आठ तथा कांग्रेस को 14 फीसदी वोट के साथ एक सीट मिली थी। इस आंकड़े से साफ है कि भाजपा वोट प्रतिशत के मामले में बीजद के करीब पहुंच चुकी है। राज्य का चुनावी परिदृश्य भी भाजपा और बीजद के बीच सीधे संघर्ष में भाजपा की बढ़त की तस्वीर बयां कर रहा है, कांग्रेस विधानसभा हो या लोकसभा चुनाव तीसरे नंबर पर ही दिख रही है।

वकील उज्ज्वल निकम को वर्षा गायकवाड़ से कड़ी चुनौती



मुंबई उत्तर मध्य सीट पर भाजपा की तरफ से उतरे हाई प्रोफाइल वकील उज्ज्वल निकम पहली बार चुनाव लड़ रहे हैं। उनका मुकाबला मुंबई कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष वर्षा गायकवाड़ से हो रहा है। वर्षा धरावी से चार बार विधायक चुनी जा चुकी है और महाराष्ट्र सरकार में मंत्री भी रही हैं। यहां पिछले दो चुनाव भाजपा की पुनम महाजन ने जीते थे।

भिवंडी में केंद्रीय मंत्री कपिल पाटिल कांटे की संघर्ष में फंसे



भिवंडी से केंद्रीय मंत्री कपिल मोरेश्वर पाटिल जीत की हैट्रिक लगा चुके हैं, लेकिन उन्हें शरद पवार की फनसीपी के प्रत्याशी सुरेश गोपीनाथ म्हाजे कड़ी टक्कर दे रहे हैं। यहां 2019 में पटेल ने कांग्रेस के सुरेश तावडे को डेढ़ लाख मतों से हराया था।



बिहार की वाल्मीकि नगर से जदयू उम्मीदवार सुनील कुमार के समर्थन में आयोजित जनसभा में मुख्यमंत्री नितीश कुमार ने पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव और राहुल गांधी पर जमकर हमला बोला।

बसपा की जातीय इंजीनियरिंग किस पर पड़ेगी भारी

पूर्वांचल में साल 2019 के चुनाव में बसपा ने सपा के साथ गठबंधन में छह लोकसभा सीटें जीती थीं। इसमें जौनपुर को छोड़कर बाकी पांच सीटों घोसी, श्रावस्ती, गाजीपुर, अंबेडकर नगर तथा लालगंज में बसपा को नए प्रत्याशी उतारने पड़े हैं, इसकी वजह यह है कि गाजीपुर से चुनाव जीते अफजाल अंसारी और श्रावस्ती के सांसद राजशिवप्रिया वर्मा इस बार सपा से ताल टोक रहे हैं, अंबेडकर नगर के सांसद रितेश पांडेय भाजपा के प्रत्याशी बन गए थे, जबकि घोसी से जीते अतुल राय का अधिकतर समय जेल में रहे हैं।

अंबेडकर नगर, घोसी और श्रावस्ती में बनाया मुस्लिम-दलित समीकरण

अंबेडकरनगर में बसपा ने इस बार मुस्लिम-दलित का दांव खेलते हुए कमर हयात अंसारी को मैदान में उतारा है। यहां करीब चार लाख दलित और साढ़े तीन लाख से अधिक मुस्लिम मतदाता हैं। पौने दो लाख कुर्मी और इतने ही यादव मतदाता हैं। ब्राह्मण मतदाता डेढ़ लाख से कुछ कम और क्षत्रिय वोटर एक लाख हैं। श्रावस्ती में पांच लाख मुस्लिम मतदाता, करीब पौने तीन लाख दलित, दो लाख से ज्यादा कुर्मी वोटर और ढाई लाख ब्राह्मण मतदाता हैं। यहां भी मुस्लिम- दलित समीकरण से बसपा 2019 में चुनाव जीती थी। इस बार पार्टी ने मुस्लिम-दलित वोट बैंक पर भरोसा करते हुए श्रावस्ती से मुइनुद्दीन अहमद खान उर्फ हाजी ददन को उतारा है। घोसी में अतुल राय भाजपा के हरिनारायण को हराकर चुनाव जीते थे। लेकिन उनका पूरा कार्यक्रमाल लघमजेल में ही बीता। इसलिए उनकी जगह बसपा ने कांग्रेस से आए पूर्व सांसद बालकृष्ण चौहान को मैदान में उतारा है। बालकृष्ण बसपा से ही सांसद रहे थे और वह नोनिया चौहान हैं। यहां नोनिया चौहान की अच्छी खासी संख्या है। यहां मऊ विधानसभा पर तो मुस्लिम निर्णायक है। लालगंज सुरक्षित सीट पर पिछली बार सपा की संगीता आजाद जीती थीं। उन्होंने भाजपा की नीलम सोनकर को हराया था। इस बार बसपा ने यहां डॉ. इंदु चौधरी को टिकट दिया है। जौनपुर से बसपा ने धनंजय सिंह की पत्नी का टिकट काटने के बाद सांसद श्याम सिंह यादव को उतारा है। गाजीपुर में बसपा से जीते अफजाल अंसारी इस बार सपा के प्रत्याशी हैं। यहां बसपा ने डॉ. उमेश सिंह को प्रत्याशी बनाया है।



नौ सीटों पर मुस्लिम प्रत्याशी सपा-कांग्रेस का बिगाड़ रहे खेल

बसपा के पास दलित वोट बैंक का अभी भी बड़ा हिस्सा है। वह इसी के साथ मुस्लिम, ब्राह्मण और पिछड़ा वर्ग का जोड़ घटाना लगाकर प्रत्याशी उतारती रही है। इस बार बसपा सुप्रीमो मायावती ने इस बार पूर्वांचल की लड़ाई में दलित-मुस्लिम और दलित-ब्राह्मण का समीकरण बनाकर उम्मीदवार उतारे हैं। बसपा ने पूर्वांचल के रण में नौ लोकसभा सीटों पर मुस्लिम उम्मीदवार उतार कर इंडिया गठबंधन का समीकरण बिगाड़ने का प्रयास किया है। हाथी चुनाव चिह्न पर इस बार अंबेडकरनगर से कमर हयात अंसारी, श्रावस्ती से मुइनुद्दीन अमद खान, इमुरियागंज से मोहम्मद नदीम मिर्जा, संतकबीरनगर से नदीम अशरफ, आजमगढ़ से महमूद अहमद, महराजगंज से मोहम्मद मौसम आलम, गोरखपुर से जावेद रिस्मान्नी और वाराणसी से अतहर जमाल लारी चुनावी मैदान में ताल टोक रहे हैं।

आधा दर्जन सीटों पर खेला ब्राह्मण कार्ड

बसपा ने दलित-ब्राह्मण समीकरण मजबूत करके मुस्लिम मतदाताओं का समर्थन अपनी तरफ खींचने की रणनीति के तहत आधा दर्जन सीटों पर ब्राह्मण उम्मीदवार मैदान में उतारकर सपा- कांग्रेस गठबंधन की परेशानी बढ़ा रखी है। पार्टी से फेजाबाद से सच्चिदानंद पांडेय, बस्ती से दयाशंकर मिश्रा, मिर्जापुर में मनीष त्रिपाठी, कैसरगंज में नरेंद्र पांडेय, गोंडा से सोरभ कुमार मिश्रा मुकाबले को त्रिकोणीय धार देने की कोशिश में जुटे हैं।

बसपा के गढ़ वाली सीटें

मदोही	गाजीपुर	लालगंज			
2019	4,66,414	2019 जीती	5,66,082	2019	5,18,820 – जीती
2014	2,45,554	2014	2,41,645	2014	2,33,971
2009 जीती	1,95,808	2009	3,09,924	2009	2,07,998 – जीती
मदोही	गाजीपुर	लालगंज			
2019	4,66,414	2019 जीती	5,66,082	2019	5,18,820 – जीती
2014	2,45,554	2014	2,41,645	2014	2,33,971
2009 जीती	1,95,808	2009	3,09,924	2009	2,07,998 – जीती

उमर अब्दुल्ला की मुश्किलें बढ़ीं

चुनाव डेरक

अमृत विचार। जम्मू-कश्मीर की हाई प्रोफाइल बरामूला लोकसभा सीट पर भी पांचवें चरण में 20 मई को मतदान होगा। इस सीट पर पहले राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला तथा पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के चेयरमैन सज्जाद गनी लोन ने भी लगा रखा है जोर

■ बरामूला सीट पर पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के चेयरमैन सज्जाद गनी लोन ने भी लगा रखा है जोर

■ जेल में बंद अवंगी इतेहाद पार्टी के इंजीनियर रशीद के लिए उनके बेटे ने जोरदार प्रचार करके बनाई सहानुभूति

उन्के बेटे अबरार ने जोरदार चुनाव प्रचार करके संघर्ष में खड़ा कर दिया है। अबरार ने कई रोड शो किए हैं, जिनमें भीड़ जुटी है। रशीद के जेल में बंद होने से मतदाताओं के एक वर्ग की सहानुभूति मिल रही है। रशीद दो बार के विधायक हैं और

टैर फंडिंग के मामले में तिहाड़ जेल में हैं। भाजपा ने बरामूला समेत घाटी की तीनों सीटों पर प्रत्याशी नहीं उतारा है, लेकिन माना जा रहा है कि पार्टी खामोशी के साथ पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के सज्जाद गनी लोन का समर्थन दे रही है। बरामूला सीट के अंतर्गत 18 विधानसभा क्षेत्रों में 17.32 लाख मतदाता हैं। यहां 23 प्रत्याशी किस्मत आजमा रहे हैं। इस सीट पर देश भर में रह रहे 25,821 विस्थापित कश्मीर पंडितों के मतदान की व्यवस्था की गई है। 21 मतदान केंद्र जम्मू, चार दिल्ली और एक केंद्र उधमपुर में बना है।

गांव गली में शोर है-कौवा कान ले गया। किसी ने नहीं देखा। इसने उससे कहा। उसने अगले से कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चुनाव में भारी बहुमत पाकर संविधान बदल देंगे। मूलभूत प्रश्न है कि क्या कोई सरकार संविधान समाप्त कर सकती है? क्या कोई सरकार बिना संविधान के ही शासन की संस्थाओं, न्यायपालिका, विधायिका और कार्यपालिका का संचालन कर सकती है? क्या कोई सरकार संविधान के आधारीक लक्षणों-बैसिक फीचर्स का संशोधन या निरसन कर सकती है? सारे प्रश्नों का उत्तर है-नहीं। कौवा कान ले गया लेकिन कान अपनी जगह ही है। कौवा कांव कांव कर रहा है। झूठ मूढ़।

बचपन में कथा सुनी थी। एक बारात के सारे लोग भाग रहे थे। एक ने दूसरे से पूछा-आप क्यों भाग रहे हैं? दूसरे ने कहा-आप भी भाग रहे हैं? अगले ने कहा-मुझे क्या पता? सब भाग रहे हैं। सो हम भी भाग रहे हैं। बहुत खोज करने पर पता चला कि एक व्यक्ति की मोटरसाइकिल की चाभी खो गई थी। वह तेज रफ्तार दौड़कर चाभी खोजने गया था। बाकी लोग देखा देखी अकारण भाग रहे थे। संविधान खाले की बहस व्यर्थ है। संविधान साधारण अभिलेख नहीं है। यह राष्ट्र का राजमर्म है। आवश्यकतानुसार संविधान में संशोधन होते रहते हैं। लगभग 105 संशोधन हो चुके हैं। संविधान में ही संविधान संशोधन के प्रावधान हैं। संविधान बदलने और संशोधन करने में मूलभूत अंतर है। संविधान संशोधन विषयक प्रावधान (अनुच्छेद 368-मसौदा संविधान अनुच्छेद 304) पर संविधान सभा में बहस चली थी। एच.कामथ ने कहा था, “संशोधन आखिरकार क्या है? संशोधन का अर्थ हो सकता है संविधान में कुछ परिवर्तन। उसमें कुछ जोड़ना या उसका निरसन।” लेकिन चुनाव में संविधान संशोधन को लेकर कोई बहस नहीं है। संविधान खत्म करने की बयानबाजी हास्यास्पद है।

संविधान सभा में पी. एस. देशमुख ने कहा था कि, “भविष्य में कुछ समय तक संविधान में तमाम परिवर्तन करने आवश्यक होंगे। इसलिए संविधान संशोधन आसान बनाना जरूरी है।” सभा में अनेक सदस्यों ने विचार व्यक्त किए। डॉ. आम्बेडकर ने कहा कि, “आयरिश संविधान में, ‘दोनों सदन सामान्य बहुमत से संविधान के किसी भाग को संशोधित कर सकते हैं।’ शर्त है कि सदनों के विनिश्चय को जनता का बहुमत अनुमोदित करे। स्विस संविधान

संविधान खत्म करने की बयानबाजी हास्यास्पद



हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष
उ.प्र.

संविधान सभा में पी. एस. देशमुख ने कहा था कि “भविष्य में कुछ समय तक संविधान में तमाम परिवर्तन करने आवश्यक होंगे। इसलिए संविधान संशोधन आसान बनाना जरूरी है।” सभा में अनेक सदस्यों ने विचार व्यक्त किए। डॉ. आम्बेडकर ने कहा कि, “आयरिश संविधान में, ‘दोनों सदन सामान्य बहुमत से संविधान के किसी भाग को संशोधित कर सकते हैं।’”

में भी विधानमण्डल संशोधन विधेयक पारित कर सकता है। लेकिन जनता के अनुसमर्थन की आवश्यकता है।” उन्होंने अनेक उदाहरण दिए। भारत में संशोधन की शक्ति विधायिका में निहित है। उन्होंने सभा में विचाराधीन विधेयक का विवेचन किया कि, “हम संविधान संशोधन को तीन श्रेणियों में बांटे हैं। एक श्रेणी में संसद का साधारण बहुमत पर्याप्त है। दूसरी श्रेणी के संशोधन में दो तिहाई बहुमत आवश्यक है। तीसरी श्रेणी में देश की आधे से अधिक विधानसभाओं का समर्थन आवश्यक है।” यहां संशोधन की पूरी प्रक्रिया औचित्यपूर्ण है।

संविधान सभा में संशोधन प्रक्रिया को सरल बनाने की मांग थी कि आमजन राजनैतिक प्रणाली को बदलने की मांग कर सकते हैं। जन असंतोष प्रकट करने का कोई मार्ग भी होना चाहिए। डॉक्टर आंबेडकर ने कहा, “जो संविधान से असंतुष्ट हैं उन्हें दो तिहाई बहुमत प्राप्त करना होगा। यदि वह व्यक्त मत के आधार पर निर्वाचित संसद में दो तिहाई बहुमत भी नहीं पा सकते तो यह मान लेना चाहिए कि संविधान के प्रति असंतोष में जनता उनके साथ नहीं

है।” उच्चतम न्यायालय ने स्थापना दी थी कि हमारे संविधान का कोई भाग ऐसा नहीं है जिसका संशोधन नहीं हो सकता। गोलकनाथ के चर्चित मुकदमे में 11 जजों की विशेष न्यायपीठ ने 6 न्यायाधीशों के बहुमत से पूर्व विनिश्चय को उलट दिया था और कहा था कि, “यद्यपि अनुच्छेद 368 में कोई अलग अपवाद नहीं है। लेकिन मूल अधिकारों की प्रवृत्ति ही ऐसी है कि वह अनुच्छेद 368 में संशोधन प्रक्रिया के अधीन नहीं हो सकते। यदि ऐसे किसी अधिकार का संशोधन करना है तो नई संविधान सभा बुलानी पड़ेगी।”

फिर केशवानंद वाद का चर्चित फैसला आया। गोलकनाथ के वाद के समय से ही प्रश्न उठाया जा रहा था कि, “क्या मौलिक अधिकारों (भाग-3) के बाहर भी संविधान का कोई उपबन्ध है जो संशोधन की प्रक्रिया से मुक्त है?” केशवानंद के मुकदमे में बहुमत ने गोलकनाथ के मत को उलट दिया कि अनुच्छेद 368 के अधीन मूल अधिकारों का संशोधन नहीं हो सकता। एक अन्य बड़ी बात भी न्यायालय ने कही है कि संविधान के कुछ आधारीक लक्षण हैं जिनका संशोधन नहीं किया जा सकता। यदि संविधान संशोधन अधिनियम संविधान की आधारीक संरचना में परिवर्तन के लिए है तो न्यायालय उसे शक्तिवाहक के आधार पर शून्य घोषित करने का अधिकारी होगा। न्यायालय ने भारत की सम्प्रभुता, अखण्डता, परिस्वीय प्रणाली, न्यायाधिक पुनर्विलोकन, संसदीय प्रणाली आदि अनेक विषयों को संविधान के आधारीक लक्षण बताया। दरअसल चुनाव के मूलभूत मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए इंडिया गठबंधन संविधान खत्म करने की निराधार कल्पना दोहरा रहा है। संविधान में आपातकाल के लिए देश की आंतरिक अशांति को आधार बताया गया है। तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती गांधी ही आंतरिक अशांति से पीड़ित थीं। देश में शांति थी। लोकतांत्रिक आन्दोलन बेशक थे। उन्होंने आपातकालीन प्रावधान (अनुच्छेद 352) का दुरुपयोग किया। इंडिया गठबंधन को आपातकाल 1975-77 के समय पारित 42 वें संविधान संशोधन अधिनियम 1976 का अध्ययन करना चाहिए। 42 वें संशोधन के माध्यम से संविधान के 53

अनुच्छेद एक साथ बदले गए। सातवीं अनुसूची में भी परिवर्तन किए गए। महत्वपूर्ण सिद्धान्तों को बदल दिया गया। संविधान के किसी उपबंध का उल्लंघन करने के आधार पर उसकी संवैधानिकता को चुनौती देने के लिए संघ और राज्यों के कानून में भेद किया गया। यह उपबंध किया गया कि कोई उच्च न्यायालय किसी केन्द्रीय विधि या जिसमें ऐसी विधि के अंतर्गत अधीनस्थ विधान भी सम्मिलित हैं, संविधान विरुद्ध होने के आधार पर अविधि मान्य नहीं कर सकेगा।”

42वां संशोधन न्यायपालिका की शक्ति को घटाने वाला था और मौलिक अधिकारों की भी। उच्चतम न्यायालय अपनी अधिकारिता (अनुच्छेद 32) में किसी राज्य विधि को असंवैधानिक घोषित नहीं करेगा। संविधान संशोधन अधिनियमों के न्यायाधिक पुनर्विलोकन के अधिकार का भी संशोधन हुआ। उपबंध किया गया कि जिस विधि को संविधान संशोधन विधि बताया जाएगा, उसे न्यायालय में चुनौती नहीं दी जा सकती। नीति निर्देशक तत्व (अनुच्छेद 37) किसी न्यायालय द्वारा प्रवर्तनीय नहीं है। लेकिन उपबंध किया गया कि किसी निर्देशक तत्व को क्रियान्वित करने वाली विधि को मूल अधिकारों के उल्लंघन के आधार पर न्यायाधिक पुनर्विलोकन से मुक्त रखा जाएगा। यह मूल संविधान के ठीक उल्टा है। संविधान क तहस नहस करने का यह प्रयास निन्दनीय है।

श्रीमती इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली सरकार ने संविधान और उसकी आत्मा को ही कुचल दिया था। 1977 के आम चुनाव में जनता पार्टी की सरकार आई। नई सरकार ने 43वें संविधान संशोधन अधिनियम के माध्यम से न्यायाधिक पुनर्विलोकन के न्यायपालिका के अधिकार की बहाली की। सभी जनविरोधी प्रावधानों को निरस्त कर दिया गया। भारतीय संविधान के इतिहास में संविधान के साथ छेड़खानी का निन्दनीय कृत्य दूसरा नहीं मिलता। संविधान के प्रति भारतीय जन गण मन की निष्ठा है। संविधान बदलने या धूस संविधान ही खारिज करने और तानाशाही लाने जैसे आरोप हास्यास्पद हैं। वे संविधान बदलने या हटाने की बात उठाकर आपातकाल की संवैधानिक त्रासदी याद दिला रहे हैं। इस दृष्टि से उनका यह कृत्य उपयोगी है। आपातकाल संवैधानिक त्रासदी है। आपातकाल की तानाशाही अत्याचार और संविधान को तहस-नहस करने के कृत्यों का पाठ और पुनर्पाठ जरूरी है।

अति पर्यटन से जाम में फंसता उत्तराखंड

गढ़वाल में यातायात की स्थिति ज्यादा खराब है, क्योंकि चारधाम यात्रा शुरू होते ही क्षमता से अधिक लोगों के पहुंचने से ट्रैफिक व्यवस्था बिगड़ जाती है।



दीपक नीगाई
शिक्षक, नैनीताल

गर्मियों की शुरुआत और चारधाम यात्रा के शुरू होने के साथ ही उत्तराखंड की सड़कों में पर्यटकों की भीड़ नजर आने लगी है। कुमाऊं में हल्द्वारी से आगे नैनीताल मार्ग पर और गढ़वाल में हरिद्वार-ऋषिकेश, देहरादून-मसूरी और यमनोत्री-गंगोत्री की सड़कों पर रोज जाम की स्थिति बनी हुई है। मई-जून में बच्चों के स्कूल बंद होते ही लोग नैनीताल, मसूरी और चारधाम की यात्रा पर दौड़ने लगते हैं। अगर देहरादून मसूरी, हरिद्वार और नैनीताल की बात करें तो इन नगरों की सबसे बड़ी समस्या यह है कि ये अपने आकार में बहुत छोटे हैं और अचानक आने वाली भीड़ को बमुरिश्कल संभाल पाते हैं।

हल्द्वारी से नैनीताल की ओर जाने वाली सड़क कम चौड़ी है। हर कोई अपने वाहन से ही नैनीताल जाना चाहता है। अप्रैल से जुलाई तक के चार महीना में यहां पर्यटकों की भीड़ ऐसे टूट पड़ती है, जैसे साल के बाकी बचे महीना में यहां घूमने,फिरने,देखने लायक चीजों का अकाल पड़ जाएगा। नतीजन कई किलोमीटर का जाम लग जाता है। नैनीताल में पार्किंग के लिए पर्याप्त स्थल नहीं हैं और न ही नैनीताल में इतनी भीड़ को सहने की क्षमता है। यही कारण है कि पुरिस को वाहनों को नैनीताल से कुछ किलोमीटर पहले रोकना पड़ता है और वहां से सटल सेवा के द्वारा लोगों को नैनीताल पहुंचाया जाता है। यह ठीक है कि दिल्ली से रद्दपुर, हरिद्वार-देहरादून तक फोरलेन हाईवे बन जाने के बाद हर वक्त लगने वाले जाम से काफी हद तक

राहत मिली है,लेकिन उससे आगे की सड़क कम चौड़ी होने के कारण आए दिन वाहनों को घंटों तक जाम में फंसना पड़ता है। इसलिए यदि आप इन जगहों पर जा रहे हैं तो मानसिक रूप से तैयार होकर जाइए की कई जगहों पर आपको जाम में फंसना पड़ेगा। गढ़वाल में यातायात की स्थिति ज्यादा खराब है, क्योंकि चारधाम यात्रा शुरू होते ही क्षमता से अधिक लोगों के पहुंचने से ट्रैफिक व्यवस्था बिगड़ जाती है। धामों के कपाट खुलते ही यात्री इनके दर्शन हेतु उमड़ पड़ते हैं। कुछ दिन पहले गंगोत्री राजमार्ग पर गंगनाथ से हर्षिल तक करीब 60 किलोमीटर क्षेत्र में वाहन जाम में फंस गए। इस कारण कई श्रद्धालु उत्तरकाशी से बिना दर्शन किए ही वापस लौट गए। सरकार चाहे कितनी भी घोषणाएं करें,कागजों पर कितनी भी व्यवस्थाएं बनाएं, लेकिन पर्यटन और धार्मिक स्थल के आसपास लोगों को परेशानी से बचाने का कोई समुचित

तंत्र आज तक विकसित नहीं हो पाया है। चारधाम यात्रा के शुरुआती आंकड़े बताते हैं कि पिछले साल की तुलना में इस बार 45 प्रतिशत यात्री ज्यादा पहुंचे हैं। अब इनमें से कितने असल धार्मिक यात्री हैं और कितने सिर्फ घूमने फिरने वाले यूट्यूबर हैं,यह बात पाना कठिन है। सरकार भले ही बढ़ती भीड़ को देखकर उसे अपनी उपलब्धि बताएं, पर भूवैज्ञानिक मानते हैं कि यात्रियों की बढ़ती भीड़ और अति पर्यटन आपदा को निमंत्रण है। ज्यादा लोग यानी ज्यादा गाड़ियां और ज्यादा कार्बन उत्सर्जन, जो सीधे-सीधे हिमालय के ग्लेशियर को प्रभावित करता है।

वाहनों का शोर,उनसे निकलता धुआं और हेलीकॉप्टरों की गड़गड़ाहट से पहाड़ की जैव विविधता प्रभावित हो रही है। वन्य जीवों के व्यवहार में परिवर्तन देखा गया है और वे अपने प्राकृतिक आवास स्थलों से पलायन कर रहे हैं। पहले पहाड़ पर जाने के कुछ अलिखित नियम थे। यात्रा आस्था और विश्वास से जुड़ी थी। साथ ही उन अलिखित नियमों के वैज्ञानिक दृष्टिकोण भी थे। जिन पहाड़ी कंदराओं पर हमारे पूर्वज जोर से आवाज करने को भी प्रतिबंधित मानते थे,आज बहद बेधेडक हेलीकॉप्टरों की गड़गड़ाहट गूंज रही है। सड़क चौड़ीकरण के लिए धड़ल्ले से डायनामाइट फोड़े जा रहे हैं और चार धाम परियोजना जिसे ऑल वेदर रोड का सुनहरा नाम दिया गया है,उसके लिए साठ हजार से अधिक हरे पेड़ों की बलि चढ़ा दी गई। केदारनाथ की शांत वादियों में उसकी सांस्कृतिक

मौलिकता में बदलाव नजर आने लगा है। कपाट खुलने के बाद वहां ढोल- नगाड़ों की थाप पर लोग नृत्य कर रहे हैं। रीले बन रही हैं,सोशल मीडिया के लिए वीडियो बनाए जा रहे हैं। आस्था के नाम पर हट हट प्रयोग हो रहे हैं। स्थानीय लोगों और पर्यवरण प्रेमियों ने इसका विरोध भी किया, लेकिन असल सवाल यह है लोगों को इतने संवेदनशील क्षेत्र में ऐसा करने की अनुमति किसने दी और शिव के धाम में इन सब का होना कितना जायज है।

यह सही है कि चारधाम यात्रा उत्तराखंड की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। यात्रियों की बढ़ती संख्या के आंकड़ों को देखकर सरकार भी खुश होती है। कई लोगों की जीविका इस यात्रा पर निर्भर है,लेकिन यहां पर हमें यह भी याद रखना होगा की जो फसल हमारा पैर भरती है,उसके बीजों की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी हमारी ही है। हमें यात्रा के नाम पर अति पर्यटन से बचना होगा, क्योंकि किसी भी चीज की अति अंततः नुकसान ही पहुंचाता है। हमें तीर्थटन और पर्यटन के अंतर को समझना होगा। चारो धामों को तीर्थ स्थल ही बने रहने दें। उन्हें मौज मस्ती और पिकनिक का स्थान न बनाया जाए। बद्रीनाथ और केदारनाथ जैसे संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा का ध्यान रखते हुए यात्रियों की संख्या को निर्धारित किया जाना चाहिए। इसके अलावा सुविधा के नाम पर केदारनाथ में शुरू की गई हेलीकॉप्टर सेवा को भी सीमित किया जाए और पैदल यात्रा को प्रोत्साहन मिले।

‘बेटी संरक्षिका दंपति’ का प्रशस्ति-पत्र

सामान्यतया महिला सशक्तिकरण पर बहुत जोर दिया जाता है। सरकार द्वारा 33 प्रतिशत महिला आरक्षण का प्रस्ताव भी संसद में लाया गया,लेकिन लोकसभा चुनाव में महिलाओं की भागीदारी बहुत उत्साहवर्धक नहीं रही। महिला सशक्तिकरण के तहत केवल सुसंपन्न एवं उच्च आभामंडल के अलावा मध्यम तथा निचले तबके की महिलाओं की भी भागीदारी होनी चाहिए। महिला सशक्तिकरण की दिशा में अन्य प्रभावकारी कदम उठाने की जरूरत है। मसलन किसी दंपति को सिर्फ बेटियों ही है और परिवार में उनका बेटे जैसा ही पालन-पोषण हो रहा तथा अब बेटे होने की कोई उम्मीद नहीं है तो ऐसी दंपति को ‘बेटी संरक्षिका’ संबंधित प्रशस्तिपत्र दिया जाना चाहिए। ऐसी दंपति में माता या पिता कोई भी शासकीय सेवा

में हैं तो उन्हें उनकी सेवा पुस्तिका में भी प्रशस्ति अंकित किए जाने के साथ ‘बेटी संरक्षण’ का इंक्रॉमेंट दिया जाना चाहिए। यदि ऐसी दंपति सरकारी सेवा में नहीं हैं तो उन्हें शासकीय योजनाओं का लाभ वरीयता के आधार पर दिया जाना चाहिए। सिर्फ बेटियों वाले घर की छात्राओं को शिक्षा में विशेष सुविधाएं दी जानी चाहिए। इस तरह के निर्णय से प्रथमतः लिंग-परीक्षण एवं भ्रूण-हत्या जैसे कदम पर रोक लगेगी। सिर्फ बेटियों के माता-पिता होने की हीन भावना की जरूरत है। मसलन किसी दंपति को सिर्फ बेटियों ही है और परिवार में उनका बेटे जैसा ही पालन-पोषण हो रहा तथा अब बेटे होने की कोई उम्मीद नहीं है तो ऐसी दंपति को ‘बेटी संरक्षिका’ संबंधित प्रशस्तिपत्र दिया जाना चाहिए। ऐसी दंपति में माता या पिता कोई भी शासकीय सेवा



सलिल पांडेय
भिर्जापुर

पैदा किए जाने पर भी नियंत्रण होगा तथा समाज में तेजी से घटती महिलाओं की संख्या में कमी आएगी। अन्यथा ‘मर्ज बढ़ता ही गया, ज्यों-ज्यों दवा की’ जैसी स्थिति बनी रहेगी। केवल भाषणों में महिला सशक्तिकरण की राग अलापने के बहुत सार्थक परिणाम नहीं दिखाई पड़ रहे हैं।

मेघ की लिपि



डॉ. राजेंद्र रंजन चवुर्वेदी
सेवानिवृत्त प्रोफेसर

बीते दिनों यहां बादल छाये हुए थे,उन्हें देखकर प्रसन्न तो हुआ था,कितु अपने अज्ञान पर लज्जित भी हुआ था कि इन्हें देखकर मैं कुछ भी नहीं पढ़ सका हूं। पुरानी बात याद आई,अवकाश के दिनों में तिरुपति-विश्वविद्यालय के प्रोफेसर-अध्यक्ष डॉ.चन्द्रभानु रावत घर पर ही आ जाते थे,जब तक वे लोहवन में रहते,तब तक या तो वे मुझे बुला लेते अथवा वे स्वयं ही संध्या के समय मेरे घर पधारते। एक दिन लोहवन में उनके घर जा रहा था,जैसे ही लोहवन के दगरे में उतरा कुछ बादल पूरब की ओर से उठे, रास्ते में अथाई पर कुछ लोग बैठे हुए थे,बुलाया, पानी पी जाओ।

मुझे जल्दी तो हो रही थी,किंतु जल का आग्रह टालता भी कैसे? अथाई पर दो मिनट को रुक कर जल पिया और उसी तेजी से चलने लगा। पीछे से टेर लगी,भगतजी के घर तक न पहुंच पाओगे,भीग जाओगे। ये पड़पड़ी वाला बादल है। मुझे मेघ का ज्ञान तो था नहीं और तब तक धरती पर एक भी बूंद नहीं आई थी, मैंने सोचा कि बूदा-बांदी भी हुई तो रावतजी का घर यहां से आधी किलोमीटर ही तो है। बहुत तेजी से कदम बढ़ा दिए,किंतु

मुझे जल्दी तो हो रही थी, किंतु जल का आग्रह टालता भी कैसे? अथाई पर दो मिनट को रुक कर जल पिया और उसी तेजी से चलने लगा। पीछे से टेर लगी, भगतजी के घर तक न पहुंच पाओगे, भीग जाओगे। ये पड़पड़ी वाला बादल है।

बादल की तेजी के सामने मेरी तेजी फेल हो गई। इतनी तेजी से पड़पड़ी आई कि मैं तो एक-दो मिनिट में ही आपाद-मस्तक भीग चुका था। अथाई पर बैठे उस जनपद-जन के मेघ संबंधी ज्ञान को आज तक याद कर लेता हूं,मुझे उसका आदेश मानना चाहिए था,सोच लेता हूं कि वह जनपद-जन गुरु के रूप में नमस्करणीय था। उससे एक विद्या सीख सकता था। मेघ-विद्या कैसा पढ़ा-लिखा हूं? मेघ की लिपि को पढ़ना नहीं सीखा?

किसी व्यक्ति के बौद्धिक स्तर का कारण: एक वैज्ञानिक विश्लेषण

परीक्षा में अच्छे अंक लाने वाले छात्र-छात्राएं,माता-पिता और गुरुजन के परिश्रम के अतिरिक्त, अपनी अच्छी शिक्षा और अच्छे संस्कारों को ग्रहण करने के लिए स्वयं उत्तरदायी हैं। उनकी शारीरिक और मानसिक संरचना और माता-पिता द्वारा प्राप्त जीन्स इसके लिए उत्तरदायी हैं। साथ ही इस संरचना में वातावरण और परिस्थितियों का भी योगदान है। गर्भावस्था की अनेक परिस्थितियां भी बच्चों की इस शारीरिक और मानसिक संरचना के लिए उत्तरदायी हैं।



डॉ. राजीव अग्रवाल
विकित्ताक, शाहजहाँपुर

वास्तव में किसी व्यक्ति की बुद्धिमत्ता उसकी मानसिक संरचना पर निर्भर करती है। यह मानसिक संरचना उसके मस्तिष्क और शेष शरीर की संरचना पर निर्भर करती है।

जीन्स के छिप जाने, डॉमिनेन्ट और रिसेसिव जीन्स की परस्पर क्रियाओं और म्यूटेशन्स एवं अन्य जटिल कारणों के कारण हो सकता है। आनुवांशिक और जेनेटिक कारणों के अतिरिक्त बुद्धिमत्ता बच्चे की बचपन और उसके बाद की भी परिस्थितियों पर भी निर्भर करती है। उसे पढ़ने का कैसा वातावरण मिला है, उसके माता-पिता का व्यवहार कैसा है, उसके गुरुजन कैसे हैं, उसका स्वास्थ्य कैसा है, उसे कैसा भोजन और कैसे पौष्टिक पदार्थ मिल रहे हैं और वातावरण में प्रदूषण तो नहीं है, जैसे अनेकानेक कारण इसे निर्धारित करते हैं।

इस संदर्भ में हेलेन केलर की कहानी प्रासंगिक है। अमेरिका की हेलेन एडम्स केलर का जन्म 27 जून 1880 को हुआ था। जन्म के समय वह एक सामान्य बच्ची थी। 19 माह की आयु में उसे दिमागी बुखार हो जाने के कारण उसके मस्तिष्क पर प्रभाव पड़ा,क्योंकि हमारा मस्तिष्क ही हमारे सभी संवेदी अंगों को नियंत्रित करता है, संवेदनाओं को समझता है, अंगों को चलाता है, इसलिए वह दृष्टिहीन और बधि्र हो गई। वह बधि्र थी इसलिए वह मूक भी हो गई, क्योंकि बच्चे सुनकर ही बोलना सीखते हैं। उसके माता-पिता बहुत दुःखी हुए। वे समझ नहीं पा रहे थे कि वे अपनी पुत्री को जीवन निर्वहन के योग्य कैसे बनाएं, कैसे वह अपना जीवन कटेगी। वह बेचारी बच्ची भाती थी, अवरोधों से टकराती थी और

गिरती थी। उसके माता-पिता ने उस बच्ची के साथ संपर्क करने के लिए उसे कुछ घरेलू चिन्ह सिखाए। उसके जीवन में एक मोड़ तब आया जब 7 वर्ष की आयु में उसे अध्यापिका एनी सलीवान मिली। एनी अपने जीवनभर केलर के साथ रहीं। एनी सलीवान स्वयं लगभग दृष्टिहीन थीं। 5 वर्ष की आयु में उन्हें ट्रेकोमा रोग हो जाने के कारण उनकी दृष्टि लगभग समाप्त हो गई थी। सलीवान ने हेलेन को लिखना और पढ़ना सिखाया। यह एक बहुत श्रमसाध्य कार्य था। हेलेन पढ़ती गईं। उसने स्कूली शिक्षा और फिर कॉलेज की शिक्षा प्राप्त की। उसने किसी व्यक्ति के हाठों और गले को छूकर यह जानना सीखा कि वह क्या बोल रहा है। स्वयं हेलेन ने बोलना सीखा।

हम इस बात की दुष्करता को समझ सकते हैं कि कैसे उसने बिना सुने बोलना सीखा होगा। वह एक बहुत प्रसिद्ध लेखिका बनीं, सामाजिक कार्यकर्त्री बनीं, राजनेत्री बनीं और व्याख्यान करती बनीं। अनेक देशों में गईं और वहां पर अपने भाषण दिए। उन्होंने अनेक प्रतिष्ठित पुरस्कार और सम्मान प्राप्त किए। उनके ऊपर नाटक खेले गए। उनके ऊपर पुस्तकें लिखी गईं और उनके ऊपर फिल्म बनाई गईं। उनको मिलने वाला वातावरण यह दिखाता है कि कैसे किसी व्यक्ति के मानसिक स्तर और उसकी शैक्षिक और बौद्धिक उपलब्धियों में जीन्स और परिस्थितियों दोनों की ही भूमिका होती है।

वास्तव में किसी व्यक्ति की बुद्धिमत्ता उसकी मानसिक संरचना पर निर्भर करती है। यह मानसिक संरचना उसके मस्तिष्क और शेष शरीर की संरचना पर निर्भर करती है। ये दोनों बातें व्यक्ति के जीन्स और गर्भकाल की परिस्थितियों और बाद में जीवन भर की विशेष रूप से बचपन की परिस्थितियों और वातावरण पर निर्भर करती हैं। उदाहरण के लिए डाउन सिन्ड्रोम, फ्रेजाइल एक्स सिन्ड्रोम, फेनाइल केटोनेूरिया, रेट सिन्ड्रोम, प्रेडर विली सिन्ड्रोम, रे सैक्स डिजोज, विलियम्स सिन्ड्रोम जैसी अनेक बीमारियां होती हैं, जो क्रोमोजोम्स पर निर्भर करती हैं, जो जीन्स द्वारा निर्धारित होती हैं। ये जीन्स के म्यूटेशन्स के कारण उत्पन्न हो सकती हैं, जो आनुवांशिक होती हैं और व्यक्ति की शारीरिक व मानसिक संरचना तथा उनके इन गुणों को प्रभावित करती हैं। इन शारीरिक दोषों के होने पर व्यक्ति की बुद्धिमत्ता प्रभावित होती है। ये दोष गर्भावस्था में ही निश्चित हो जाते हैं। बुद्धिमत्ता को निर्धारित करने के अनेक जीन्स होते हैं। यह एक बहुत जटिल तंत्र होता है। ये जीन्स पीढ़ी दर पीढ़ी जाते हैं। इसलिए बुद्धिमान परिवार में पैदा हुए बच्चे आम तौर पर बुद्धिमान होते हैं, लेकिन यह आवश्यक नहीं होता है। बुद्धिमान माता-पिता की संतान कम बुद्धि की अथवा कम बुद्धि के माता-पिता की संतान अधिक बुद्धि की हो सकती है। यदि माता-पिता के जीन्स में कमी नहीं है, केवल उनके मस्तिष्क की किसी बीमारी या दोष के कारण उनकी बुद्धिमत्ता प्रभावित हुई है तो उनकी संतान सामान्य होगी। अथवा किसी के जीन्स में भी कोई कमी या अछाई होने के बावजूद ऐसा हो सकता है कि उनकी संतान विपरीत गुणों की हो। ऐसा जीन्स के जटिल संयोजनों, पुरानी जीन्स के सामने आ जाने,ए

अकेलेपन का दंश

इस बात से भी इंकार नहीं किया जा सकता कि एक उम्र के बाद विश्वास या भरोसा कम होने लगता है जिससे व्यक्ति अपने को सीमित कर लेता है। यही स्थिति अकेलेपन की ओर ले जाती है।



संजीव मेहरोत्रा
बरेली

का बड़ा कारण भी है। विगत कई वर्षों से कोरोना,बरोजागरी,महंगाई, बीमारी आदि के तनाव से भी मनुष्य अवसाद कुंठा और निराशा से घिर रहा है। जरूरत है समाज को खुशहाल बनाकर,गिरते हैपीनेस इंडेक्स को सुधारने की ताकि अकेलेपन में जी रहे लोगों को इससे उबारा जा सके,उनमें खुशी का एहरास पैदा किया जा सके। इसके लिए संयुक्त प्रयास की आवश्यकता होगी। संवाद के साथ-साथ लोगों को समाज में जोड़ने और छोटी-छोटी खुशियों और आयोजनों में शामिल करने के सार्थक प्रयासों की जरूरत होगी अन्यथा समाज यह अकेलेपन व्यक्ति को अवसाद और नकारात्मकता की ओर ले जाने



मिल्कीपुर में बोले सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष, कहा- भाजपा ने युवाओं व किसानों को दिया धोखा लोगों की जान ले रही है भाजपा की वैक्सीन : अखिलेश

संवाददाता, मिल्कीपुर, अयोध्या

अमृत विचार : भाजपा सरकार ने युवाओं को धोखा देने का काम किया है। कोरोना काल में इन्होंने जो वैक्सीन लगवाईं, आज वह लोगों की जान ले रही है। लोगों को हार्ट अटैक पड़ रहे हैं। अब वैक्सीन बनाने वाली कंपनी कह रही है कि हम वैक्सीन वापस लेंगे। ये बातें शनिवार को सपा सुप्रीमो एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहीं। वो मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र के पांच नंबर चौराहा स्थित मैदान में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि नौजवानों के लिए कोई नौकरी नहीं है। पेपर लीक नहीं हुए, बल्कि सरकार ने लीक कराए हैं। कहा कि पीडीए की सरकार आई तो



मिल्कीपुर में अखिलेश यादव की सभा के दौरान भगदड़ में टूटी कुर्सियां। ● अमृत विचार

नौजवानों को उनका हक देंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा ने वादा किया था कि किसानों की आय दोगुनी करेंगे। किसी किसान की आय बढ़ी हो तो बताइए। इन्होंने केवल महंगाई बढ़ाई और खाद की बोरी से 10 किलो उर्वरक की चोरी की। बड़े-बड़े उद्योगपति

बैंकों का पैसा लेकर भाग गए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि इस बार आंसुओं का पानी खारे के ऊपर बह रहा है। कहा कि बीजेपी के खिलाफ जनता में जबरदस्त गुस्सा है। 400 सीटें इंडिया गठबंधन जीत रहा है।बीजेपी को सिर्फ 143

मीडिया गैलरी में मची भगदड़, कुर्सियां टूटी, कापड़े फटे

मिल्कीपुर, अयोध्या। मिल्कीपुर के पांच नंबर चौराहे के मैदान में शनिवार को पूर्व मुख्यमंत्री व समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की सपा/गठबंधन प्रत्याशी अवधेश प्रसाद के समर्थन में जनसभा थी। जैसे ही अखिलेश यादव मंच की ओर बढ़े समाजवादियों की बेकाबू भीड़ मंच की ओर दौड़ पड़ी। देखते ही देखते अफरातफरी मच गई। मीडिया गैलरी की सारी कुर्सियों पर सपाईं कब्जा

करने लगे। यही नहीं सपाइयों ने मीडिया गैलरी में जमकर तोड़फोड़ की। यहां तक कि पत्रकारों ने वहां से भाग कर अपनी जान बचाई। भगदड़ में कई पत्रकारों के कपड़े फट गए। कुछ पत्रकारों को मामूली चोटें भी आईं हैं। दो दिन पहले रुदौली विधानसभा के मर्चमेंट में भी रहीं हाल हुआ था। सपा जिलाध्यक्ष पारसनाथ यादव का कहना है कि उन्हें इसकी जानकारी नहीं है स्थानीय नेताओं से पता करा रहे हैं।

सीटें ही मिलेंगी। उन्होंने गठबंधन प्रत्याशी अवधेश प्रसाद को जिताने की अपील की।

चार चरणों के चुनाव में भाजपा चारों खाने चित्त : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने दावा किया कि चार चरणों के वोट पड़े हैं। उसमें बीजेपी चारों खाने

चित्त हो गई है। आपको देखना और समझना होगा। जनसभा को पूर्व विधायक तेज नारायण पांडे पवन, जिलाध्यक्ष पारसनाथ यादव, छोटेलाल यादव, बख्तियार अहमद, कमलामाल पाण्डेय, यदुनाथ यादव सहित कई लोगों ने संबोधित किया।

जो परिवार वाले नहीं वह क्या जानें परिवार का दर्द: डिंपल यादव

संवाददाता गोंडा

अमृत विचार : गोंडा की सपा प्रत्याशी श्रेया वर्मा के समर्थन में शनिवार को रोड शो करने पहुंची सपा सांसद डिंपल यादव ने प्रधानमंत्री मोदी और सीएम योगी पर जमकर निशाना साधा। डिंपल यादव ने रोड शो में उमड़े जन समूह को संबोधित करते हुए कहा कि जो परिवार वाले नहीं है उन्हें परिवार का दर्द क्या होता है यह नहीं पता है। परिवार की जिम्मेदारी क्या होती है वह इसे नहीं जानते। समाजवादी पार्टी ही ऐसी पार्टी है जो रिश्ते निभाना जानती है जो परिवार का दर्द समझती है।

डिंपल ने कहा कि संविधान और लोकतंत्र को बचाने का चुनाव किया। प्रचंड गर्मी के बीच उन्होंने करीब 10 मिनट तक लोगों को संबोधित किया। डिंपल यादव ने



चुनावी रथ से रोड़ शो के दौरान लोगों को संबोधित करती डिंपल यादव। ● अमृत विचार

देखकर यह तय हो गया है कि इस बार बदलाव होकर रहेगा। डिंपल के स्वागत में गोंडा में जनसौलभा उमड़ पड़ा। रोड़ शो में उमड़ी भीड़ को देखकर डिंपल यादव भी गगद गजर आईं। आंबेडकर चौराहे पर उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। प्रचंड गर्मी के बीच उन्होंने करीब 10 मिनट तक लोगों को संबोधित किया। डिंपल यादव ने

कहा कि यह परिवर्तन का चुनाव है और यह परिवर्तन जनता के हाथ है। भारतीय जनता पार्टी पर दबाव की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए डिंपल यादव ने कहा कि इस दबाव की राजनीति का पतन जनता के हाथ में है और जनता के सहयोग से समाजवादी पार्टी इस राजनीति को खत्म करेगी। डिंपल यादव ने पांच किलोमीटर तक रोड़ शो किया।

अजय राय के खिलाफ मामले को रद करने की याचिका खारिज

प्रयागराज, अमृत विचार : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पूर्व कांग्रेस विधायक अजय राय के खिलाफ यूपी गिरोहबंद और समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1986 और कानून संशोधन अधिनियम के तहत दाखिल मामले को रद्द करने के संबंध में दायर याचिका को खारिज कर दिया है। उक्त आदेश न्यायमूर्ति संजय कुमार सिंह की एकलपीठ ने अजय राय और 4अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए पारित किया। गौरतलब है कि पुलिस स्टेशन चेतगंज, वाराणसी में वर्ष 2010 में संजय सिंह, संतोष राय, विजय गुरु, चंद्रभूषण राय, सलिल दूबे और अजय राय के खिलाफ मामला दर्ज करवाया गया था।

बदायूं,सहारनपुर मेडिकल कॉलेज में निर्मित होंगे नर्सिंग कॉलेज

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : हर मेडिकल कॉलेज में नर्सिंग कॉलेज स्थापित करने की योजना के तहत अर्ध निर्मित स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय बदायूं में और सहारनपुर मेडिकल कॉलेज में नर्सिंग कॉलेज का निर्माण कार्य जल्द शुरू होगा। इसके लिए प्रदेश सरकार ने प्रस्तावित बजट की पहली किस्त 13 करोड़ 32 लाख जारी कर दी है।

बजट मिलने के बाद जल्द ही निर्माण एंजेंसी कार्य शुरू करेगी। प्रदेश में नर्सिंग कॉलेज स्थापित करने की योजना के अंतर्गत दो नर्सिंग कॉलेजों के निर्माण की मंजूरी मिलने के बाद बजट जारी कर दिया गया है। महानिदेशक प्रशिक्षण डॉ. नरेंद्र अग्रवाल ने बताया कि अर्ध निर्मित

लखनऊ में बनेगा 50

बेड का नया अस्पताल

लोगों को घर के समीप बेहतर इलाज उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राजधानी के फेजुलगांज में 50 बेड का नया संयुक्त अस्पताल स्थापित किया जायेगा। इसके लिए एरर्य सरकार द्वारा 22 करोड़ 95 लाख का बजट स्वीकृत करते हुए पांच करोड़ 74 लाख की प्रथम किस्त भी जारी कर दी गई है।

बदायूं मेडिकल कॉलेज में नर्सिंग कॉलेज का निर्माण कार्य शुरू कराने संबंधी निर्देश दिए गए हैं। इसके लिए स्वीकृत बजट में छह करोड़ 66 लाख की प्रथम किस्त प्राप्त हुई है। साथ ही, सहारनपुर नर्सिंग कॉलेज के लिए भी इतना ही बजट मिला है। इन कॉलेजों में एकेडमिक ब्लॉक बनाए जायेंगे।

अमृत विचार

www.amrutvichar.com

संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : नर्सिंग कॉलेजों और पैरामेडिकल प्रशिक्षण केन्द्रों में वार्षिक लिखित परीक्षाएं 11 से 21 जून तक होगी। परीक्षाओं की तिथियां उप .स्टेट मेडिकल फैकल्टी के द्वारा जारी की गई हैं। साथ ही परीक्षाओं की सुविधा बनाए रखने के लिए संबंधित दिशा–निर्देश भी दिए गए हैं। स्टेट मेडिकल फैकल्टी के सचिव डॉ. अलोक कुमार ने बताया कि जीएनएम, एएनएम और डिल्लोमा टेक्नोशियन पाठ्यक्रमों की वार्षिक परीक्षाएं 11 जून से शुरू होंगी, समय सारिणी जारी कर दी गई है। सभी संस्थानों को निर्देश दिए गए हैं कि अगर किसी परीक्षार्थी का प्रवेश पत्र जारी नहीं हुआ है तो 22 मई तक (तकनीकी जूटियां संशोधित कर) प्रदेश पत्र प्राप्त कर सकता है। उन्होंने बताया, परीक्षा में डिजिटलीय बारकोड युक्त उत्तर पुरिस्तकार ही उपयोग की जाएंगी, जिनकी जानकारी अधिकृत वेबसाइट पर दी जायेगी। इसके अलावा परीक्षा के प्रश्न पत्र इंटरनेट के माध्यम से ऑनलाइन भेजे जाएंगे जो कि परीक्षा शुरू होने के 30 मिनट पहले सेंटर पर लॉग इन पैनेल पर उपलब्ध होंगे।

एनाएचएम कंसल्टेंट ने दिया इस्तीफा

अमृत विचार, लखनऊ : स्वास्था विभाग के उच्चाधिकारियों के आदेश के बाद एनएचएम में तैनात दीपिका पाठक नामक कंसल्टेंट ने इस्तीफा दे दिया। विगत वर्ष भी दीपिका ने इसी तरह इस्तीफा दिया था और इन्वेस्ट मित्र के तौर पर दूसरे विभाग में ज्वाइन किया था, लेकिन बाद में नियम कानून को ताक पर रखकर दीपिका को पुनः एनएचएम में ज्वाइन करा दिया गया। ज्वाइनिंग के पहले दीपिका ने इन्वेस्ट मित्र की नौकरी छोड़ दी थी। बस इसी को लेकर लंबे समय से एनएचएम कार्यालय में विवाद चल रहा था। बाद में उच्चाधिकारियों ने प्रकरण का संज्ञान लेकर इस्तीफा देने संबंधी आदेश दिया।

ट्रक ने शिक्षक समेत दो को रौंदा, मौत

अयोध्या, अमृत विचार : इनायत नगर थाना क्षेत्र के मिल्कीपुर बाजार चौराहे पर शनिवार को दोपहर बाद एक तेज रफ्तार बाइक ने एक प्राइवेट शिक्षक समेत दो लोगों को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद सड़क पर गिरे दोनों लोगों को पीछे से आ रहा एक ट्रक रौंदते हुए निकल गया। हादसे में शिक्षक समेत दोनों की मौत हो गई। इनायतनगर थाना क्षेत्र के कदनपुर जोगिया तिवारी अछौरा निवासी उदयभान तिवारी (52) और मुकेश तिवारी (42) किसी कार्य के लिए शनिवार दोपहर कुमारगंज जा रहे थे। दोनों मिल्कीपुर बाजार स्थित चौराहे के निकट ईंटगांव तिराहे के पास सड़क किनारे सवारी वाहन का इंतजार कर रहे कि एक तेज रफ्तार बाइक सवार ने दोनों को टक्कर मार दी। टक्कर से दोनों सड़क पर गिर पड़े। इसी बीच कुमारगंज की तरफ जा रहे एक ट्रक ने दोनों लोगों को रौंद दिया।

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविद ने किए रामलला के दर्शन

अयोध्या, अमृत विचार : दो दिवसीय धार्मिक यात्रा पर अयोध्या पहुंचे पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविद ने शनिवार की सुबह श्रीराम जन्मभूमि पहुंचकर रामलला को साटंगा प्रणाम कर आशीर्वाद लिया। वह श्रृंगार आरती में भी शामिल हुए। इसके बाद परिसर स्थित कुबेर टीला पर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया और जटायु की प्रतिमा पर श्रद्धा व्यक्त कर अपनी परिवार के साथ फोटो कराई। पूर्व राष्ट्रपति प्राण प्रतिष्ठा के बाद पहली बार राम मंदिर पहुंचे। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चम्पारान्य ने स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने कनक भवन मंदिर में भी अर्पणा आस्था प्रकट की। ऋषभदेव जैन मंदिर में प्रवास के दौरान भगवान ऋषभदेव की आराधना की और जैन धर्म प्रचार प्रसार के लिए आचार्य श्री शांतिसागर समवेत्शिखर रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान साध्वी जैन धर्म गुरु ज्ञानमती माता के साथ आध्यात्मिक चर्चा की। कोविद अपने परिवार और राजभवन के 80 सदस्यों के साथ अयोध्या पहुंचे थे। शनिवार को वन्दे भारत ट्रेन से दिल्ली के लिए रवाना हुए।

मायावती व राजनाथ सिंह भी पहुंचे अयोध्या

अयोध्या, अमृत विचार : पांचवें चरण के चुनाव प्रचार के अंतिम दिन शनिवार को अयोध्या में दिग्गजों का जमावड़ा लग गया। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव अयोध्या पहुंचे। इसके अलावा भाजपा के वरिष्ठ नेता और देश के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह भी अयोध्या पहुंचे। बचपा सुप्रीमो मायावती के भी रामनगरी में पहुंचने का समाचार मिला। हालांकि यह दोनो नेता अयोध्या के महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट तक ही आए थे। इसके बाद राजनाथ सिंह और मायावती चुनावी रैली में शामिल होने के लिए बस्ती चले गए। इसके अलावा केशव मौर्य और अखिलेश यादव भी विशेष विमान से एयरपोर्ट पहुंचे थे। अखिलेश एयरपोर्ट से हेलीकॉप्टर से मिल्कीपुर में जनसभा करने गए थे।

आज का भविष्यफल ^{प.अं.अमरकेश एनर्ज}																								
आज की ग्रह स्थिति : 19 मई रविवार 2024 संवत–2081,शक संवत 1946 मास–वैशाख, पक्ष–शुक्ल पक्ष, तिथि– एकादशी 13.50 तक तत्परचात द्वादशी।																								
आज का पंचांग																								
<table><tr><td>3</td><td>गु.</td><td>घं.</td><td>1</td><td>घ.</td><td>म.</td></tr> <tr> <td>4</td><td>सु.</td><td>2</td><td>12</td><td></td><td>रा.</td></tr> <tr> <td></td><td>5</td><td>11</td><td>श.</td><td></td><td></td></tr> <tr> <td>व.कं.</td><td>6</td><td>7</td><td>8</td><td>9</td><td>10</td></tr></table>	3	गु.	घं.	1	घ.	म.	4	सु.	2	12		रा.		5	11	श.			व.कं.	6	7	8	9	10
3	गु.	घं.	1	घ.	म.																			
4	सु.	2	12		रा.																			
	5	11	श.																					
व.कं.	6	7	8	9	10																			
दिशाशूल –पश्चिम। ऋतु –ग्रीष्म।चन्द्रबल–मेघ, कर्क, कन्या, वृश्चिक, धनु, मीन।																								
ताराबल–आश्विनी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, अर्द्रा, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, उत्तराषाढ़पत्र।																								
नक्षत्र–हस्त 20 मई 03.16 तक तत्परचात चित्रा।																								

वकीलों को दस्तावेज उपलब्ध कराने का निर्देश

प्रयागराज, अमृत विचार : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक मामले की सुनवाई के दौरान अपनी विशेष टिप्पणी में आयुक्त, राज्य कर, उत्तर प्रदेश को यह विचार कराने का निर्देश दिया कि विभाग की ओर से प्रस्तुत होने वाले वकील समर्थन और दस्तावेज उपलब्ध न होने के कारण अपने मामले पर प्रभावी ढंग से बहस करने में असमर्थ रहते हैं। कोर्ट ने आगे कहा कि विपक्षी अधिकारियों की ओर से पेश होने वाले वकील को सहायता न देने और प्रासंगिक दस्तावेज उपलब्ध न कराने के संबंध में अधिकारियों को एक सामान्य चेतावनी दी जानी आवश्यक है, जिसके परिणामस्वरूप विभाग के वकील विभाग के मामले का बचाव करने में विफल रहते हैं और कोर्ट को फैसला याची के पक्ष में देना पड़ता है।

बेटों को खाना देने जा रहे किसान को बोलेरो ने 500 मीटर घसीटा, मौत

संवाददाता, बहुआ(कानपुर)
● कानपुर-बांदा हाईवे पर हुआ हादसा, तीन घंटे तक लगा जाम
अमृत विचार: ललौली थाना क्षेत्र में बेटों को खाना देने साइकिल लेकर पैदल जा रहे किसान को कानपुर बांदा हाईवे पर तेज रफ्तार बोलेरो ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद किसान साइकिल समेत गाड़ी के नीचे फंस गया। वाहन चालक करीब 500 मीटर तक किसान को घसीटा हुआ ले गया। हादसे में किसान की मौके पर मौत हो गई। घटना के दौरान मौके पर पहुंचे परिजनों ने ग्रामीणों के साथ सड़क जाम कर दी। महाखेड़ा गांव के रहने वाले किसान शिवकरन शर्मा उर्फ पुतु शर्मा (50) के दो पुत्र शिवमूरत व पप्पू राजा ढाबे के सामने वाहनों की मरम्मत का कार्य करते हैं। शिवकरन सुबह अपने बेटों को खाना देने के लिए कानपुर बांदा हाईवे पर साइकिल

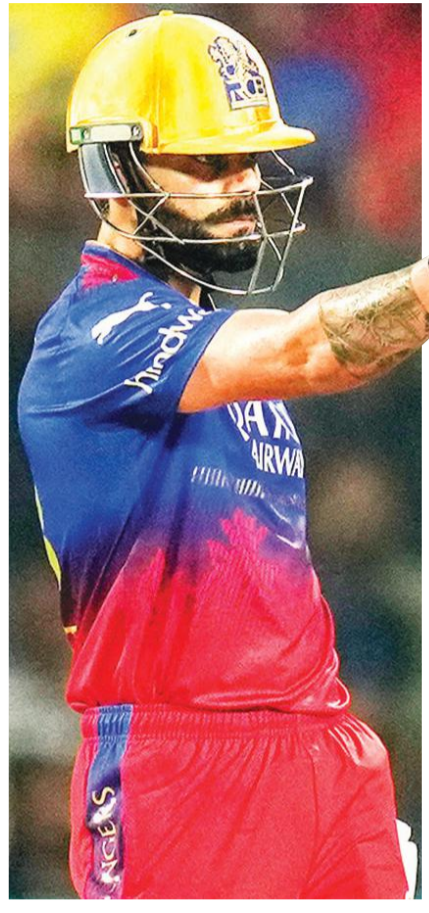
लेकर सड़क किनारे पैदल जा रहे थे। तभी गांधी के पास ही कानपुर की ओर से आ रही तेज रफ्तार बोलेरो गाड़ी ने उनको टक्कर मार दी। हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया। आक्रोशित ग्रामीणों ने आरोपी की गिरफ्तारी व मुआवजे की मांग को लेकर बांदा मार्ग को पूरी तरह से जाम कर दिया। पुलिस ने कार्रवाई का आश्वासन देकर परिजनों को शांत करा शव पोस्टमार्टम भिजवाया। इस दौरान करीब तीन घंटे तक हाईवे पर जाम लगा रहा, जिससे दोनो लेन पर वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं। थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक के पुत्र की तहरीर पर बोलेरो गाड़ी चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जा रहा है।

आरसीबी की नैया लगी पार, सीएसके बाहर

प्लेआफ के लिए क्वालीफाई करने वाली चौथी टीम बनी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, चेन्नई को 27 रन से हराकर दी विदाई



बेंगलुरु, एजेंसी

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने कप्तान फाफ डुप्लेसी (54 रन) के अर्धशतक और विराट कोहली (47 रन) के साथ पहले विकेट के लिए 78 रन के दम पर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को 27 रन से हराकर प्लेआफ के लिए क्वालीफाई करने वाली चौथी टीम बनी। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ पांच विकेट पर 218 रन बनाए। जिसके जवाब में सीएसके 20 ओवर में 7 विकेट गवांकर 191 रन ही बना सकी। लक्ष्य का पीछा करने उतरी सीएसके की शुरुआत बेहद खराब रही। कप्तान ऋतुराज विना खाता खोले पहली ही गेंद पर अपना विकेट दे बैठे। इसके बाद तीसरे ओवर में डेरिल मिशेल भी आउट हो गए। ओपनिंग पर उतरे रवींद्र रचिन एक छोर से रन बनाते रहे। रचिन और रहगणे ने मिलकर टीम को संभालने का प्रयास किया लेकिन रहगणे 33 रन बनाकर आउट हो गए। शिवम दुबे भी कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाए और 7 रन बनाकर चलते बने। जडेजा ने नाबाद 42 रनों की पारी खेली वहीं एमएस धोनी के बल्ले से 25 रन निकले, सीएसके 191 रन ही बना सकी। इससे पहले आरसीबी के लिए घरेलू मैदान पर कप्तान फाफ डुप्लेसी ने अपना अर्धशतक पूरा किया वहीं विराट ने भी शानदार 47 रनों की पारी खेली।



विराट कोहली का विकेट लेने बाद खुशी व्यक्त करते मिचेल सैंटनर और डेरिल मिशेल।

विराट के आउट होने के बाद रनों को बढ़ाने की जिम्मेदारी रजत पाटीदार ने संभली और बेहतरीन 41 रनों की पारी खेली। एक छोर पर दिनेश कार्तिक भी अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए महज 6 गेंदों पर 14 रन बनाकर पवेलियन लौटे। मैक्सवेल ने आते ही अपने अंदाज में ताबड़तोड़ 5 गेंदों में 16 रन जड़ डाले। एक छोर पर अपनी पारी को तेजी से आगे बढ़ाते हुए ग्रीन ने महज 17 गेंदों पर 38 रनों की नाबाद पारी खेली। सीएसके के लिए शार्दूल ठाकुर ने दो जबकि मिचेल सैंटनर और तुषार देशपांडे ने एक एक विकेट झटके। चेन्नई को जीतने के लिए 219 रन बनाने का लक्ष्य दिया था। जिसके जवाब में सीएसके 191 रन ही बना सकी और हार से आईपीएल खत्म किया।

अंकतालिका

टीम	मैच	जीत	हार	अंक	रन	रन रेट
कोलकाता (क्वा)	13	9	3	19	1	+1.428
राजस्थान (क्वा)	13	8	5	16	0	+0.273
हैदराबाद (क्वा)	13	7	5	15	1	+0.406
बेंगलुरु (क्वा)	14	7	7	14	0	+0.459
चेन्नई (बा)	14	7	7	14	0	+0.392
दिल्ली (बा)	14	7	7	14	0	-0.377
लखनऊ (बा)	14	7	7	14	0	-0.667
गुजरात (बा)	14	5	7	12	2	-1.063
पंजाब (बा)	13	5	8	10	0	-0.347
मुंबई (बा)	14	4	10	8	0	-0.318

78 रनों की साझेदारी सलामी जोड़ी विराट कोहली और कप्तान फाफ डुप्लेसी ने की

बेंगलुरु 219/5 20 ओवर, अतिरिक्त: 8

बल्लेबाज	रन	गेंद	4/6
विराट कोहली केच डेरिल बो सैंटनर	47	29	3/4
फाफ डुप्लेसी रनआउट सैंटनर	54	39	3/3
रजत पाटीदार केच डेरिल बो शार्दूल	41	23	2/4
कैमरून ग्रीन नाबाद	38	17	3/3
दिनेश कार्तिक केच धोनी बो देशपांडे	14	6	1/1
रविन मैक्सवेल केच धोनी बो शार्दूल	16	5	2/1
महीपाल लोमरोर नाबाद	0	1	0/0

चेन्नई 191/7 20 ओवर, अतिरिक्त: 15

बल्लेबाज	रन	गेंद	4/6
ऋतुराज गायकवाड केच दयाल बो मैक्सवेल	0	1	0/0
रवींद्र रचिन रनआउट स्वामिन/ कार्तिक	61	37	5/3
डेरिल मिचेल केच कोहली बो दयाल	4	6	0/0
रहगणे केच डुप्लेसी बो फॉर्ग्यूसन	33	22	3/1
शिवम दुबे केच फॉर्ग्यूसन बो ग्रीन	7	15	0/0
रविंद्र जडेजा नाबाद	42	22	3/3
सैंटनर केच डुप्लेसी बो सिराज	3	4	0/0
महेन्द्र सिंह धोनी केच स्वामिन बो दयाल	25	13	3/0
शार्दूल नाबाद	1	2	0/0

निदा का रिकॉर्ड प्रदर्शन पर इंग्लैंड जीता, 2-0 की बढ़त

नॉर्थम्प्टन, एजेंसी

इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी-20 मैच में पाकिस्तान की हार के बावजूद के निदा डार टी-20 में सबसे अधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज बन गई हैं। डार ने शुरुआत को महिला टी-20 में अग्रणी विकेट लेने वाली की सूची में शीर्ष पर रही ऑस्ट्रेलिया की मेगन स्कट (136 विकेट) को पीछे छोड़ दिया। वह शीर्ष 10 की सूची में एकमात्र पाकिस्तानी महिला हैं। दूसरे मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए माइया बाउचियर, एलिस

सिफत ने जीता ओलंपिक चयन ट्रायल

भोपाल, एजेंसी

सिफत कौर सामरा ने ओलंपिक चयन ट्रायल (ओएसटी) तीन और चार में महिलाओं की 50 मीटर राइफल श्री पोशिशांस स्पथार् तीसरी बार जीत ली जबकि नीरज कुमार ने पुरुष वर्ग में दूसरी बार जीत दर्ज की। सिफत ने महिलाओं की श्री पोशिशांस ट्रायल 4 में 461.3 स्कोर करके निश्चल को एक अंक से हराया। वहीं आशी चौकसी तीसरे, श्रियांका साडंगी चौथे और अंजुम मोदिगल पांचवें स्थान पर रही। पुरुष वर्ग में नीरज ने 462.9 स्कोर करके पहला स्थान हासिल की। चैन सिंह दूसरे, ऐश्वर्य तोमर तीसरे, स्वप्निल कुसाले चौथे और अखिल श्योराण पांचवें स्थान पर रहे। चार ट्रायल में तीन जीतकर सिफत इस वर्ग में शीर्ष रही जबकि अंजुम दूसरे स्थान पर रही। पुरुष वर्ग में ऐश्वर्य तोमर और कुसाले पहले दो स्थान पर रहे। पुरुष और महिला वर्ग



के 10 मीटर एयर राइफल और एयर पिस्टल ट्रायल 4 भी शनिवार को हुए। पुरुष वर्ग में कार्तिक राज शीर्ष रहे तो महिला वर्ग में रमिता जिंदल ने बाजी मारी। पिस्टल वर्ग में मनु भाकर शीर्ष रही जबकि पुरुष वर्ग में सरबजोत ने पहला स्थान हासिल किया। अब चार दौर के बाद मनु और रिदम सांगवान शीर्ष दो स्थानों पर हैं जबकि पुरुष वर्ग में सरबजोत और अर्जुन पहले व दूसरे स्थान पर हैं।

के 10 मीटर एयर राइफल और एयर पिस्टल ट्रायल 4 भी शनिवार को हुए। पुरुष वर्ग में कार्तिक राज शीर्ष रहे तो महिला वर्ग में रमिता जिंदल ने बाजी मारी। पिस्टल वर्ग में मनु भाकर शीर्ष रही जबकि पुरुष वर्ग में सरबजोत ने पहला स्थान हासिल किया। अब चार दौर के बाद मनु और रिदम सांगवान शीर्ष दो स्थानों पर हैं जबकि पुरुष वर्ग में सरबजोत और अर्जुन पहले व दूसरे स्थान पर हैं।

खेल डायरी

हार्दिक पर अगले सीजन के लिए एक मैच का निलंबन
 मुंबई। मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या को धीमी ओवर गति के लिए एक मैच के लिए निलंबित कर दिया है। अब वह अगले सीजन का पहला मैच नहीं खेल पाएंगे। बानखेड़े टेस्टिंग में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ उनकी टीम समय पर अपने ओवर खत्म नहीं कर पाई थी। एमआई के लिए यह मैच आईपीएल के मौजूदा सत्र का आखिरी मैच था। इसका मतलब यह हुआ कि हार्दिक अगले सीजन का पहला मैच नहीं खेल पाएंगे। यदि हार्दिक अगले सीजन के लिए किसी अन्य टीम में चले जाते हैं, तो वह उस विशेष टीम का पहला मैच नहीं खेल पाएंगे। इस आईपीएल सीजन में यह तीसरी बार था जब एमआई न्यूनतम ओवर रेट बनाए रखने में विफल रहा।

इंपैक्ट खिलाड़ी के नियम ने संतुलन बिगाड़ा : कोहली

बेंगलुरु, एजेंसी

कप्तान रोहित शर्मा से सहमति जताते हुए स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने इंपैक्ट खिलाड़ी के नियम की आलोचना करते हुए कहा कि इससे खेल का संतुलन बिगड़ रहा है। आईपीएल के पिछले सत्र से पारी के बीच में स्थानापन्न खिलाड़ी को उतारने का नियम शुरू हुआ है जिस पर रोहित ने भी नाराजगी जताई थी। अब कोहली ने कहा है कि रोहित का समर्थन करता हूँ। मनोरंजन खेल का एक पहलू है लेकिन संतुलन भी होना चाहिए। इससे खेल का संतुलन बिगड़ है और कई लोगों को ऐसा

ओलंपिक कोटा हासिल करने उतरेगा भारत

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत महिला मुक्केबाजी में 57 किग्रा में पेरिस ओलंपिक कोटा हासिल करने की कोशिश करेगा। हुडा को आईटीए द्वारा टिकाने की विफलता के लिए निलंबित कर दिया गया था। अब 57 किग्रा वजन वर्ग में जैस्मिन लाम्बोरिया थाईलैंड में 24 मई से शुरू होने वाले दूसरे ओलंपिक मुक्केबाजी क्वालीफायर में हिस्सा लेंगी। बीएफआई ने शनिवार को कहा कि उन्होंने हुडा जीते गए कोटा स्थान को अस्वीकार कर दिया है, विश्व ओलंपिक मुक्केबाजी क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा करने की अनुमति मिल जाएगी। पंजीकृत मुक्केबाज ही भाग लेने के पात्र हैं, जिससे भारत 60 किग्रा और 66 किग्रा वर्ग में दावेदारों तक ही सीमित रह गया है।

टी-20 विश्व कप : अधिकांश भारतीय खिलाड़ी 25 मई को होंगे न्यूयॉर्क रवाना

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के अधिकांश क्रिकेटर और सहयोगी स्टाफ टी-20 विश्व कप के लिए 25 मई को न्यूयॉर्क रवाना होगा जबकि बाकी 26 मई को आईपीएल फाइनल के बाद जाएंगे। इससे पहले आईपीएल प्लेआफ के लिए क्वालीफाई नहीं कर सकी टीमों के सदस्यों को 21 मई को रवाना होना था लेकिन बाद में योजना में बदलाव हुआ। अब वे 25 मई को रवाना होंगे। बीसीसीआई सूत्र के अनुसार रोहित शर्मा, हार्दिक पंड्या, सूर्यकुमार यादव, जसप्रीत बुमराह, ऋषभ पंत, अशदीप सिंह, अक्षर पटेल और सहयोगी स्टाफ

इटैलियन ओपन फाइनल में जेरेव का सामना जेरी से

रोम। पांचवीं रैंकिंग वाले अलेक्जेंडर जेरेव ने चिली के अलेग्जेंद्रो ताबिलो को 1-6, 7-6, 6-2 से हराकर इटैलियन ओपन टेनिस के फाइनल में प्रवेश कर लिया। फाइनल में उनका सामना चिली के ही निकोलस जेरी से होगा जिन्होंने टॉमी पॉल को 6-3, 6-7, 6-3 से हराया। रोम में जेरेव का यह तीसरा फाइनल है। उन्होंने 2017 में नोवाक जोकोविच को हराकर पहला मास्टर्स सीरिज खिताब जीता था। इसके एक साल बाद वह राफेल नडाल से हार गए। महिला फाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त इगा स्विगतोक का सामना दूसरी रैंकिंग वाली एरिना सवाल्लिका से होगा।

सात्विक-चिराग थाईलैंड ओपन के फाइनल में

बैंकॉक। विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर काबिज सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल ने शनिवार को यहां चीनी ताइपे के लू मिंग-वे और तांग काई-वेई की जोड़ी पर सीधे गेम में आसान जीत के साथ थाईलैंड ओपन बेडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता सात्विक और चिराग को सुपर 500 स्तर के इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल को जीतने में महज 35 मिनट का समय लगा। उन्होंने 21-11, 21-12 से आसान जीत दर्ज की। टूर्नामेंट में शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी के सामने खिताबी मुक़ाबले में चेन बो यिंग और लिप्टु यी की जोड़ी की चुनौती होगी।



हॉलीवुड हलचल

रोमांटिक फिल्म में नजर आएगी सिद्धार्थ और कृति की जोड़ी
 मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा और अभिनेत्री कृति सैनन की जोड़ी रोमांटिक फिल्म में नजर आ सकती है। सिद्धार्थ मल्होत्रा और कृति सैनन को हाल ही में मैड्रिक के ऑफिस में देखा गया है। तभी से लेकर दोनों की साथ फिल्म करने को लेकर चर्चा है। कहा जा रहा है कि मुराद खेतानी जिस देसी मास एक्शन एंटरटेनर फिल्म को प्रोड्यूस कर रहे हैं, उसमें सिद्धार्थ नजर आने वाले हैं। चर्चा है कि इस फिल्म में सिद्धार्थ के साथ कृति सैनन नजर आ सकती है।



अंकतालिका में नंबर दो पर आने के लिए मुकाबले होंगे अहम, केकेआर-राजस्थान शीर्ष पर काबिज

दूसरे स्थान पर आना चाहेंगे सनराइजर्स
हैदराबाद, एजेंसी

पिछले तीन साल में पहली बार प्लेआफ में जगह बनाने के बाद आत्मविश्वास से लबरेज सनराइजर्स हैदराबाद की टीम रविवार को यहां जब लीग चरण के अपने अंतिम मुकाबले में पंजाब किंग्स के खिलाफ मैदान पर उतरेगी तो उसकी कोशिश अंक तालिका में शीर्ष दो में जगह बनाने पर होगी। आईपीएल के पिछले तीन सत्र में अंक तालिका में सबसे निचले पायदान पर रही सनराइजर्स की टीम ने इस साल अति-आक्रामक बल्लेबाजी दृष्टिकोण और बेहतरीन गेंदबाजी के साथ खुद को खिताब के प्रबल दावेदार के रूप में स्थापित किया है। सनराइजर्स अभी 13 मैचों में 15 अंक के साथ तालिका में तीसरे पायदान पर है। पंजाब किंग्स को हराने के बाद टीम 17 अंक तक पहुंच सकती है। रविवार को खेले जाने वाले एक अन्य मैच में अगर संजू सैमसन की अगुवाई वाली राजस्थान रॉयल्स की टीम



पिछले तीन साल में पहली बार प्लेआफ में जगह बनाने के बाद आत्मविश्वास से लबरेज सनराइजर्स हैदराबाद की टीम रविवार को यहां जब लीग चरण के अपने अंतिम मुकाबले में पंजाब किंग्स के खिलाफ मैदान पर उतरेगी तो उसकी कोशिश अंक तालिका में शीर्ष दो में जगह बनाने पर होगी। आईपीएल के पिछले तीन सत्र में अंक तालिका में सबसे निचले पायदान पर रही सनराइजर्स की टीम ने इस साल अति-आक्रामक बल्लेबाजी दृष्टिकोण और बेहतरीन गेंदबाजी के साथ खुद को खिताब के प्रबल दावेदार के रूप में स्थापित किया है। सनराइजर्स अभी 13 मैचों में 15 अंक के साथ तालिका में तीसरे पायदान पर है। पंजाब किंग्स को हराने के बाद टीम 17 अंक तक पहुंच सकती है। रविवार को खेले जाने वाले एक अन्य मैच में अगर संजू सैमसन की अगुवाई वाली राजस्थान रॉयल्स की टीम

केकेआर को हराकर दूसरा स्थान पक्का करना चाहेंगे रॉयल्स

गुवाहाटी। राजस्थान रॉयल्स मैच के हार के सिलसिले को तोड़कर रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग के अहम मैच में चोटी की टीम कोलकाता नाइट राइडर्स को हराकर शीर्ष दो में जगह पक्की करने उतरेगी। सोलह अंक लेकर प्लेआफ में जगह बना चुके रॉयल्स लगातार चार मैच हार चुके हैं। पिछले दो मैचों में टीम 150 के पार भी नहीं पहुंच सकी और अब इंग्लैंड के स्टार सलामी बल्लेबाज के स्वदेश लौटने के बाद उसकी राह और कठिन हो गई है। ऐसे में यशस्वी जायसवाल, कप्तान संजू सैमसन और स्थानीय हीरो रियान पराग को अतिरिक्त जिम्मेदारी निभानी होगी। प्लेआफ में शीर्ष दो में रहकर जाने से उनके पास फाइनल में पहुंचने के दो मौके रहेंगे। केकेआर के 19 अंक हैं और उसका शीर्ष पर रहना तय है। केकेआर के हींसले बुलंद है लेकिन उस आत्ममुग्धता से बचना होगा। मुंबई इंडियंस के खिलाफ 11 मई को इंडन गार्ड्स पर हुए मुकाबले के बाद से केकेआर ने बरिशात की भेंट भुगई इस मैच के अलावा कोई मुकाबला नहीं खेला है। अहमदाबाद जाकर एक दिन के अभ्यास के लिए कोलकाता लौटना और फिर आखिरी लीग मैच के लिए गुवाहाटी जाना थकाऊ रहा होगा और उनकी लय पर असर पड़ सकता है।

आम पकाने के लिए कार्बाइड का इस्तेमाल किया तो खैर नहीं, एफएसएसआई सख्त

नई दिल्ली, एजेंसी

आम का मौसम शुरू होने के साथ ही बाजार में आमों की आवक शुरू हो चुकी है। इस बीच भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसआई) ने फलों को पकाने में शामिल व्यापारियों, फल संचालकों और खाद्य व्यवसाय संचालकों (एफबीओ) को कड़ी चेतावनी जारी की है।

यह सलाह खास तौर पर उन लोगों के लिए है जो आम के मौसम के दौरान कुत्रिम रूप से फलों को पकाने के लिए कैल्शियम कार्बाइड का उपयोग करते हैं। फलों को पकाने के लिए कैल्शियम कार्बाइड के यूज पर बंद है। लेकिन इसके बावजूद इसका धड़ल्ले से इस्तेमाल होता है। एफएसएसआई ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के



आर्सेनिक और फास्फोरस के हानिकारक अंश

कैल्शियम कार्बाइड, आमतौर पर आम जैसे फलों को पकाने के लिए प्रयोग किया जाता है। यह एसिटिलीन गैस छोड़ता है जिसमें आर्सेनिक और फास्फोरस के हानिकारक अंश होते हैं। सामान्य बोलचाल की भाषा में इन पदार्थों को मसाला के नाम से भी जाना जाता है। ये चक्कर आना, बार-बार प्यास लगना, जलन, कमजोरी, निगलने में कठिनाई, उल्टी और त्वचा के अल्सर आदि जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याएँ पैदा कर सकते हैं।

खाद्य सुरक्षा विभागों से सतर्क रहने और इन नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का आग्रह किया है। प्राधिकरण ने

इस बात पर जोर दिया कि कैल्शियम कार्बाइड एक खतरनाक रसायन है और इसका उपयोग स्वास्थ्य के लिए बहुत बड़ा जोखिम पैदा करता है।

सिंगापुर में भारतीय मूल के व्यक्ति पर धोखाधड़ी करने का आरोप

सिंगापुर। भारतीय मूल के एक व्यक्ति पर अपनी गलत पहचान बताकर राष्ट्रपति कार्यालय, राष्ट्रीय विकास मंत्रालय और संसद को ई-मेल भेजकर धोखाधड़ी करने के आरोप लगाए गए हैं।

अदालत में 17 मई को पेश हुए 24 वर्षीय प्रकाश परमाशिवम ने खुद को सिंगापुर जेल सेवा स्टाफ का सदस्य बताते हुए राष्ट्रपति धर्मन पणमुगल्लम, राष्ट्रीय विकास मंत्री डेसमंड ली और संसद को ईमेल भेजे। द स्टेट्स टाइम्स की खबर के अनुसार प्रकाश पर आरोप है कि उसने 16 फरवरी को संसद को और उसके दो दिन बाद ली को ई-मेल किया। 24 फरवरी को राष्ट्रपति धर्मन को एक और ईमेल भेजा। अदालती दस्तावेजों में इस बात की जानकारी नहीं है कि ई-मेल में क्या लिखा था और प्रकाश ने इन्हें क्यों भेजा।

मोबाइल पर किया गैरजरूरी कॉल तो मोस्ट वांटेड की लिस्ट में होंगे शामिल, सरकार लागू नियम

मोबाइल फर्जीवाड़े में भारत काफी आगे है। हर एक व्यक्ति फर्जी कॉल और मैसेज से परेशान है। सरकार ने भी इस तरह की कॉल और मैसेज को रोकने के लिए कई कदम उठाए हैं। साथ ही ऐसी कॉल और मैसेज करने वालों को क्रिमिनल एक्टिविटी में शामिल करने का नियम बनाने की कोशिश हो रही है। डिपोर्टमेंट ऑफ कंज्यूमर अफेयर की ओर से आने वाले कुछ माह में एक गाइडलाइन पेश किया जा सकता है। इसमें टेलीमार्केटिंग जैसे बैंक, रियल एस्टेट पर प्रमोशनल या लेनदेन से जुड़े मैसेज भेजने को लेकर जवाबदेही तय करने का नियम होगा। साथ ही ऐसी प्रैक्टिस फॉलो करने पर क्रिमिनल एक्टिविटी के तहत केस करने का प्रावधान होगा।

गलत प्रैक्टिस पर होंगे टोपी कराए

कंज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट 2019 के सेक्शन 2(28) और 2(47) के मुताबिक गैरजरूरी कॉल और मैसेज गलत ट्रेड प्रैक्टिस के दायरे में आता है। अगर सही चैनल से प्रमोशनल या फिर गैरजरूरी कॉल और मैसेज नहीं किया जाता है, तो उन्हें कंज्यूमर एक्ट के तहत दोषी करार दिए जाने का प्रावधान है। इसमें प्रमोशन और गैरजरूरी कॉल और मैसेज को रेगुलर नंबर सीरीज से नहीं किया जा सकता है।



मोबाइल कॉल फर्जीवाड़े में भारत सबसे आगे

भारत एएसएसएस फिशिंग के मामले में एक बड़ा मार्केट है। हर माह भारतीयों को 120 से 150 मिलियन फिशिंग मैसेज भेजे जाते हैं। करीब 300,000 लोग स्कैमिंग का शिकार होते हैं। लेकिन केवल 35,000 से लेकर 45,000 मामले रिपोर्ट किए जाते हैं।

सरकार की बैठकें जारी

इस मामले को लेकर डिपोर्टमेंट ऑफ कंज्यूमर अफेयर, डिपोर्टमेंट ऑफ टेलिकम्यूनिकेशन यानी डॉट और टेलिकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया यानी ट्राइ ने भारतीय एयरटेल, रिलायंस जियो, वोडाफोन आइडिया और बीएसएनएल के साथ बैठक की है।

एक नजर

गोलीबारी में मारे गए छह लोगों में स्पेन के तीन शामिल

इस्लामाबाद। मध्य अफगानिस्तान में बंदूकधारीयों की गोलीबारी में मारे गए छह लोगों में स्पेन के तीन नागरिक शामिल हैं। तालिबान और स्पेन के अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने पहले कहा था कि हमले में चार लोगों की मौत हुई है। शुक्रवार शाम को हुए इस हमले की तत्काल किसी ने जिम्मेदारी नहीं ली है। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता अब्दुल मलीन कानी ने शनिवार को कहा कि प्रमुख पर्यटन क्षेत्र बामियान प्रांत में घटनास्थल से सात सिरियों को गिरफ्तार किया गया और जांच जारी है।

पाकिस्तान में हदसा, एक ही परिवार के 14 लोगों की मौत

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में शनिवार को एक मिनी ट्रक के सड़क से फिसलकर गड्डे में गिर जाने से उसमें सवार पांच बच्चों सहित एक ही परिवार के 14 लोगों की मौत हो गई, जबकि नौ अन्य घायल हो गए। बचाव अभियान में जुटे अधिकारियों ने यह जानकारी दी। रेस्क्यू-1122 के मुताबिक यह मिनी ट्रक खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बन्नु जिले से पंजाब के खुशाब जिले की ओर आ रहा था, तभी यह हादसा हुआ। लाहौर से करीब 250 किलोमीटर दूर खुशाब के पंच पीर इलाके में एक मोड़ पर मिनी ट्रक सड़क से फिसलकर गड्डे में गिर गया था।

उत्तर कोरिया ने मिसाइल का किया परीक्षण

प्योंगयॉंग। उत्तर कोरिया ने शुक्रवार को अपने पूर्वी जल क्षेत्र में एक नई स्वायत्त नेविगेशन प्रणाली का उपयोग करके सामरिक बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया। अधिकारिक कोरियाई सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने शनिवार को यह जानकारी दी। केशीएनए रिपोर्ट में कहा गया है कि स्वायत्त नेविगेशन प्रणाली की सटीकता और विश्वसनीयता को परीक्षण के माध्यम से सत्यापित किया गया था।

गाजा में मृतक फिलिस्तीनियों की संख्या 35,386 हुई

गाजा। गाजा पट्टी पर चल रहे इजरायली हमलों में मरने वाले फिलिस्तीनियों की संख्या बढ़कर 35,386 हो गई है। फिलिस्तीनी एम्बेले में स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि पिछले 24 घंटों के दौरान इजरायली सेना के हमलों में 83 फिलिस्तीनियों की मौत हो गयी है और अन्य 105 घायल हुए हैं। जिससे पिछले अक्टूबर में फिलिस्तीनी-इजरायल बीच संघर्ष शुरू होने के बाद से मौतों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। बयान में कहा गया कि भारी बमबारी और बचाव दल की कमी के बीच कुछ पीड़ित अभी भी मलबे में दबे हुए हैं।

आनंद के पल



तमिलनाडू के नागापट्टिनम जिले के वेलानकनी में बंगाल की खाड़ी के किनारे इन दिनों पर्यटक लगातार पहुंच रहे हैं। एक परिवार शनिवार को समुद्र तट पर ऊंट की सवारी करता हुआ।

● एजेंसी

ताइवान की संसद में चले लात-धूसे संसद में सुधारों के प्रस्ताव को लेकर चल रही बहस के दौरान माहौल गरमाया

ताइपे, एजेंसी

ताइवान की संसद में शुक्रवार को बहस के दौरान सांसदों में जमकर लात-धूसे चले। इस दौरान वहां बड़े पैमाने पर अराजकता देखी गई। यह वाक्या नए राष्ट्रपति लाई चिंग ने की शपथ से दो दिन पहले घटा। संसद के भीतर कुछ सांसद स्पीकर की सीट पर भी चढ़ गए। वे एक-दूसरे को खींचकर मारपीट करते नजर आए। इस बीच एक सांसद सदन से एक बिल से जुड़े दस्तावेज लेकर भाग गया।

दरअसल, ताइवान की संसद में एक प्रस्ताव लाया गया है। इसके तहत सरकार के कामकाज पर नजर रखने के लिए विपक्षी सांसदों को ज्यादा पावर देने की बात कही गई है। इसके अलावा संसद में झूठा बयान देने पर सरकारी अधिकारियों पर क्रिमिनल केस दर्ज किया जाएगा।

अलगजौरा के मुताबिक, इसी बिल पर वोटिंग से ठीक पहले नए राष्ट्रपति चिंग ने की डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (डीपीपी) और चीन समर्थक विपक्ष की कुमेन्तांग पार्टी (केएमटी) के लोगों के बीच झड़प हो गई। जब सांसद सदन में पहुंचे तो वे एक-दूसरे पर लड़ाई करने का आरोप लगाते लगे।

20 मई को राष्ट्रपति लाई चिंग ने लेंगे शपथ, उनकी पार्टी



संसद के भीतर स्पीकर की टेबल पर चढ़ता एक सांसद।



संसद में आपस में खींचतान करती महिलाएं।

सरकार के कामकाज पर नजर रखने के लिए विपक्षी सांसदों को ज्यादा पावर देने की बात पर हंगामा

के पास बहुमत नहीं : दरअसल, 20 मई को ताइवान के नए राष्ट्रपति लाई चिंग ने राष्ट्रपति पद की शपथ लेने वाले हैं। हालांकि, उनकी पार्टी डीपीपी के पास संसद में बहुमत नहीं है। ताइवान की मुख्य विपक्षी पार्टी केएमटी के पास डीपीपी से ज्यादा सीटें हैं।

फिर भी बहुमत में आने के लिए उसे ताइवान पीपुल्स पार्टी (टीपीपी) के साथ गठबंधन करना पड़ेगा। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, बहुमत में होने की वजह से विपक्षी पार्टी संसद में अपने सदस्यों को सरकार के ऊपर नजर बनाए रखने के लिए

चीन विरोधी नेता लाई चिंग ने ने जीता था चुनाव

ताइवान में इसी साल जनवरी में राष्ट्रपति पद के चुनाव हुए थे। इसमें क्लिंग पार्टी के नेता विलियम लाई चिंग-ते ने जीत दर्ज की थी। यह वही नेता है, जिन्हें मतदान से पहले चीन ने खतरनाक अलगाववादी कहा था। चुनाव से पहले चीन ने मतदाताओं को चेतावनी दी थी कि यदि वे सैन्य संबंध से बचना चाहते हैं, तो सही विकल्प चुनें। चिंग ते के खिलाफ ताइवान की कुमेन्तांग पार्टी (केएमटी) ने होउ यू इह पर अपना दाव खेला था। केएमटी वही पार्टी है जिसकी सरकार चीन के कम्युनिस्टों से गृह युद्ध में हारकर ताइवान द्वीप पर आ बसी थी।

सत्ताधारी पार्टी की मांग- पहले बिल पर चर्चा हो

डीपीपी के सांसदों की मांग है कि पहले बिल पर प्रक्रिया के तहत चर्चा करवाई जानी चाहिए। वहीं विपक्ष का आरोप है कि डीपीपी इस बिल को पास नहीं होने देना चाहती, जिससे वह अपनी ताकत का गलत इस्तेमाल कर सके। ताइवान की संसद में पहले भी इस तरह के मामले सामने आ चुके हैं। साल 2020 में भी केएमटी के सांसदों ने अमेरिका से पोक (सुअर का मांस) इम्पोर्ट करने का विरोध करते हुए संसद में पिग गट्स (सुअर की आंत) फेंकी थी।

और ज्यादा पावर दिलवाना चाहती है। वहीं चिंग ते की पार्टी डीपीपी का आरोप है कि विपक्ष संसद में

अमेरिका में 4 भारतीयों समेत छह ने रची डकैती की साजिश

वाशिंगटन। अमेरिकी इमीग्रेशन वीजा पाने के लिए चार भारतीयों सहित 6 लोगों ने मिलकर नकली डकैती की साजिश रची। दरअसल, अपराध पीड़ितों के लिए अमेरिका में एक रिजर्व इमीग्रेशन वीजा का ऑप्शन शामिल है, जिसका फायदा लेने के लिए चार भारतीयों ने 2 विदेशी नागरिकों के साथ मिलकर पूरी साजिश रची।

इस मामले में शिकागो की सेंट्रल अदालत ने भीष्माभाई पटेल, नीलेश पटेल, रवीनाबेन पटेल और रजनी कुमार पटेल और दो अन्य पार्थ नायी और केवोंग यंग के साथ मिलकर नकली डकैती की साजिश रचने के आरोप में मामला दर्ज कर लिया गया है। आरोपियों पर खुद को पीड़ित बताकर यू-वीजा के लिए आवेदन करने का दावा पाया गया है। यू-वीजा उन विशेष अपराधों के पीड़ितों के लिए निर्धारित किया गया है, जिन्होंने मानसिक या शारीरिक अपराध झेला है और जो जांच या अभियोजन में कानून प्रवर्तन या सरकारी अधिकारियों के लिए सहायक होते हैं।

चारों व्यक्तियों ने घोटाले में भाग लेने के लिए नायी को हजारों डॉलर का भुगतान किया। रिपोर्ट में ये भी कहा गया कि नकली डकैती के दौरान कुछ लोग हथियार लेकर पीड़ितों के पास गए और उनसे लूटपाट की और पैसे और संपत्ति की मांग की।

भारतीय लोकतंत्र का मुरीद हुआ अमेरिका

वाशिंगटन, एजेंसी

व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा संचार सलाहकार जॉन किर्बी ने कहा कि विश्व में ऐसे देश अधिक नहीं हैं जहां भारत जैसा जीवंत लोकतंत्र हो। हम मताधिकार का इस्तेमाल करने और सरकार चुनने के लिए भारत के लोगों की प्रशंसा करते हैं। हम उन्हें शुभकामनाएं देते हैं। उन्होंने आगे कहा कि पिछले तीन वर्ष के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में भारत और अमेरिका के संबंध मजबूत हुए हैं।

किर्बी से भारत में जारी आम चुनावों को लेकर सवाल किया गया था जिनके तहत 96 करोड़ 90 लाख से अधिक लोग 2,660 पंजीकृत राजनीतिक दलों का प्रतिनिधित्व करने वाले हजारों उम्मीदवारों में से 545 सांसदों का चुनाव करने के लिए 10 लाख मतदान केंद्रों पर अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने एक अन्य सवाल के जवाब में कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन के विशेष रूप से पिछले तीन वर्ष के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में भारत और अमेरिका के संबंध मजबूत हुए हैं। उन्होंने कहा भारत के साथ हमारे संबंध बेहद करीबी हैं जो लगातार और घनिष्ठ हो रहे हैं। यह बहुत

व्हाइट हाउस ने कहा- दुनिया में इंडिया जैसी डेमोक्रेसी बहुत कम



अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा संचार सलाहकार जॉन किर्बी जानकारी देते हुए।

बाइडन के बयान पर भी किर्बी ने दिया जवाब

किर्बी से पूछा गया कि क्या राष्ट्रपति जो बाइडन का मानना है कि भारत और जापान विदेशी नागरिकों से द्वेष करने वाले देश हैं। तो उन्होंने नें जवाब दिया और कहा कि राष्ट्रपति ने जब इस संबंध में बयान दिया था तब वह एक व्यापक बिंदु पर बात रहे थे। उन्होंने कहा मेरा मतलब है कि राष्ट्रपति यहां अमेरिका में हमारे अपने लोकतंत्र की जीवितता इसकी समावेशिता और भागीदारी को लेकर एक व्यापक बात रख रहे थे। बाइडन ने हाल में एक कार्यक्रम में कहा था आप जानते हैं कि हमारी अर्थव्यवस्था के मजबूत होने का एक कारण आप और कई अन्य लोग हैं।

जीवंत, बहुत सक्रिय भागीदारी है और हम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व के बहुत आभारी हैं।

स्तोवाकिया के पीएम की हालत स्थिर हिरासत में आरोपी

पेजिनोक। स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको की हत्या के प्रयास के आरोपी को शनिवार को हिरासत में रखने का आदेश दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि कई गोलियां लगने के बाद फिको की हालत गंभीर लेकिन स्थिर है।

अदालत के एक प्रवक्ता ने बताया कि अभियोजकों ने अगर रिहा किया गया तो वह फरार हो सकता है या फिर अपराधों को अंजाम दे सकता है। आदेश के खिलाफ संदिग्ध उच्चतम न्यायालय में अपील कर सकता है। बुधवार को हँडल्लोवा शहर में एक सरकारी कार्यक्रम के बाद समर्थकों का अभिवादन करते समय फिको (59) पर हमला हुआ था और उनके पेट में गोली लगी थी।

बिश्केक में भारतीय छात्रों पर नजर बनाए हुए हैं : जयशंकर

नई दिल्ली, एजेंसी

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को कहा कि सरकार किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में एक छात्रावास में स्थानीय निवासियों और विदेशियों के बीच झड़प के बाद बड़े पैमाने पर हुए प्रदर्शन के परिप्रेक्ष्य में वहां भारतीय छात्रों पर नजर रखे हुए है।

डॉ. जयशंकर ने कहा कि फिलहाल वहां स्थिति शांत है और उन्होंने भारतीय छात्रों को भारतीय दूतावास के साथ नियमित संपर्क में रहने को कहा है। किर्गिज गणराज्य में भारतीय दूतावास ने पोस्ट किया हम अपने छात्रों के संपर्क में हैं। स्थिति फिलहाल शांत है लेकिन छात्रों को सलाह दी जाती है कि वे फिलहाल घर के अंदर ही रहें और कोई भी समस्या

छात्रावास में स्थानीय निवासियों और विदेशियों के बीच झड़प के बाद बड़े पैमाने पर हुआ था प्रदर्शन



होने पर दूतावास से संपर्क करें। हमारा 24x7 संपर्क नंबर 0555710041 है। रिपोर्टों के अनुसार स्थानीय और विदेशी लोगों के बीच कथित झड़प के बाद बिश्केक के कुछ हिस्सों में रात भर दृष्टे प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस तैनात की गई है। उल्लेखनीय है कि 13 मई को राजधानी के एक छात्रावास में स्थानीय निवासियों और विदेशियों के बीच हुई झड़प हुई थी।

अफगानिस्तान में भारी बारिश से आई बाढ़, 68 की मौत

इस्लामाबाद। अफगानिस्तान में पिछले महीने से हो रही भारी बारिश ने तबाही मचा रखी है। पश्चिमी अफगानिस्तान के गोर प्रांत में पिछले 24 घंटे के दौरान हुई बारिश के कारण कई जगह पर बाढ़ आ गई, जिससे कम से कम 68 लोगों की मौत हुई है। तालिबान के अधिकारी ने कहा कि मृतकों की संख्या प्रारंभिक सूचनाओं पर आधारित है और यह बढ़ सकती है। गोर प्रांत के गवर्नर के प्रवक्ता अब्दुल वाहिद हमास ने कहा कि दर्जनों लोग लापता हैं। बाढ़ के बाद राजधानी फिरोज कोह समेत विभिन्न क्षेत्रों में हजारों मकानों व संपत्तियों के क्षतिग्रस्त होने और सैकड़ों हेक्टेयर कृषि भूमि के नष्ट होने से प्रांत को काफी वित्तीय नुकसान हुआ है।

अमेरिका की वजह से छिड़ सकता तीसरा विश्व युद्ध

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आशंका जताई है कि राष्ट्रपति चुनाव से पहले देश के अक्षम नेतृत्व के कारण तीसरा विश्व युद्ध छिड़ सकता है। ट्रंप ने मिनेसोटा राज्य में शुक्रवार को कहा जिस तरह के मूर्ख लोग इस देश को चला रहे हैं, उससे बहुत से लोग नहीं बचेगें क्योंकि आज हथियारों की शक्ति बहुत भयंकर है। हम अगले पांच महीनों में तीसरे विश्व युद्ध में फंस सकते हैं क्योंकि हमारा नेतृत्व अक्षम है। जिस तरह से देश को चलाने वाले लोग हैं, उससे जाहिर होता है कि देश बहुत जल्दी तीसरे विश्व युद्ध में फंस सकता है। ट्रंप ने कहा कि अगर वह देश के राष्ट्रपति होते तो न तो रूस-यूक्रेन संघर्ष और

पूर्व राष्ट्रपति ने कहा- मूर्ख लोग चला रहे देश की सरकार



मध्य-पूर्व युद्ध नहीं होता और न ही महंगाई बढ़ती। वर्ष 2024 का अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव 60वां चुनाव होगा। यह चुनाव 5 नवंबर को होगा। मतदाता चार साल की अवधि के लिए राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति का चुनाव करेंगे। डेमोक्रेटिक पार्टी के सदस्य, मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडेन फिर से चुनाव लड़ रहे हैं और रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से ट्रंप लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए चुनाव लड़ेंगे।

बहस करने से पहले बाइडेन से डूंग टेस्ट की करेंगे मांग

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह अपने प्रतिद्वंद्वी अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के साथ बहस करने से पहले डूंग परीक्षण की मांग करेंगे। दोनों प्रतिद्वंद्वी जून और सितंबर में टेलीविजन पर दो दौर के बहस के लिए सहमत हुए हैं। ट्रंप ने कहा मैं डूंग टेस्ट की मांग करूंगा क्योंकि मैं नहीं चाहता कि बाइडेन स्टेट ऑफ द यूनियन की तरह आए। बिडेन ने शुक्रवार को कहा कि वह पूर्व राष्ट्रपति के साथ आम चुनाव की बहस में भाग लेंगे और ऐसा करने पर उन्हें खुशी होगी। राष्ट्रपति की यह सहमति महत्वपूर्ण बदलाव है। इसके पहले उन्होंने अपने रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी के साथ मंच पर उपस्थित होने के लिए प्रतिबद्ध होने से इनकार कर दिया था।

रूस ने चीन को सौंपा विध्वंसक गतिविधियां चलाने वालों का ब्यौरा

मास्को। रूस की संसद के निचले सदन ड्यूमा के विदेशी दखलंदाजी की जांच के लिए गठित आयोग ने कुछ विदेशी संगठनों द्वारा रूस एवं चीन के खिलाफ विध्वंसक गतिविधियां चलाये जाने को लेकर हाल ही में एक डॉक्यूमेंट चीन की सरकार को सौंपा है। आयोग के वासिली पिस्कारेव ने शनिवार को सोशल मीडिया पर यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा हमने हाल ही में रूस और चीन से संबंधित विदेशी संगठनों की विध्वंसक गतिविधियों पर सामग्री चीनी पक्ष को हस्तांतरित की है। यह खबर ऐसे समय आयी है जब रूसी राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन चीन की यात्रा से लौटे हैं और वहां उनकी चीन के राष्ट्रपति शी जिन्पिंग के साथ असाधारण, गहन एवं सार्थक बातचीत हुई है।

महोत्सव

काॅन्स फिल्म महोत्सव में फिल्म मंथन ने सुर्खियां बटोरी

कान, एजेंसी

फ्रांस में चल रहे 77वें काॅन्स फिल्म महोत्सव में नये भारतीय सिनेमा के इतिहास का एक महत्वपूर्ण हिस्सा सुर्खियों में रहा। गुजरात के एक गांव में भारत की पहली डेरी सहकारी संस्था के निर्माण से जुड़ी श्याम बनेगल की 1976 की फिल्म मंथन का 4के वीडियो रेज्योलूशन संस्करण सेले बुनुएल में प्रदर्शित किया गया। फिल्म के कलाकारों में शामिल नसीरुद्दीन शाह ने फिल्म के प्रदर्शन से पहले अपने विचार प्रकट किये। दिग्गज अभिनेता ने कहा सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण मंथन का यह शो डॉ. वर्गीज कुरियन को समर्पित है। उन्होंने कहा यह सिम्ता पाटिल, गिरीश कर्नाड, अमरीश पुरी और संगीतकार वनराज भाटिया को याद करने का भी अवसर है। शाह



ने कहा, बड़े पर्दे पर बतौर अभिनेता यह मेरी दूसरी फिल्म थी। मैं इस बात को लेकर घबराया हुआ

था कि यह बॉक्स ऑफिस पर कैसा प्रदर्शन करेगी। किसी ने भी इस फिल्म को लेकर कोई उम्मीद नहीं जताई थी,

ऐश्वर्या राय बच्चन नीले सिल्वर गाउन में रेंड कार्पेट पर नजर आवीं

कान। काॅन्स फिल्म महोत्सव 2024 में दूसरी बार अपनी उपस्थिति दर्ज करवाते हुए ऐश्वर्या राय ने एक बार फिर फाल्गुनी शेन पीको के द्वारा तैयार गाउन का चुनाव किया। जब वह फिल्मकार योरगोस लैंथिमोस की नवीनतम फीचर फिल्म काइइस ऑफ काइइनेस की स्क्रीनिंग के लिए शुक्रवार को लाल कार्पेट पर चलीं तो उन्होंने नीले और सुनहरे रंग की चमकीले गाउन पहन रखी थीं। इस फिल्म में दो बार की ऑस्कर विजेता एम्मा स्टोर अहम किरदार में हैं। इस परिधान में विशेष धार्तिक आकृति बनी थी। हाथ में चोट होने के कारण उन्होंने विशिष्ट काइइ पहने थे। पिछले दो दशक से नियमित रूप से काॅन्स फिल्म महोत्सव में आ रही ऐश्वर्या बहुस्थितिवार को 2024 के इस कार्यक्रम में फाल्गुनी शेन पीको के द्वारा द्वारा गाउन में पहुंचीं थीं।

लेकिन यह हिट फिल्म साबित हुई, जिसने हम सभी के लिए काम के और अधिक अवसर पैदा किये।